हिंदी

बालभारती

पहली कक्षा

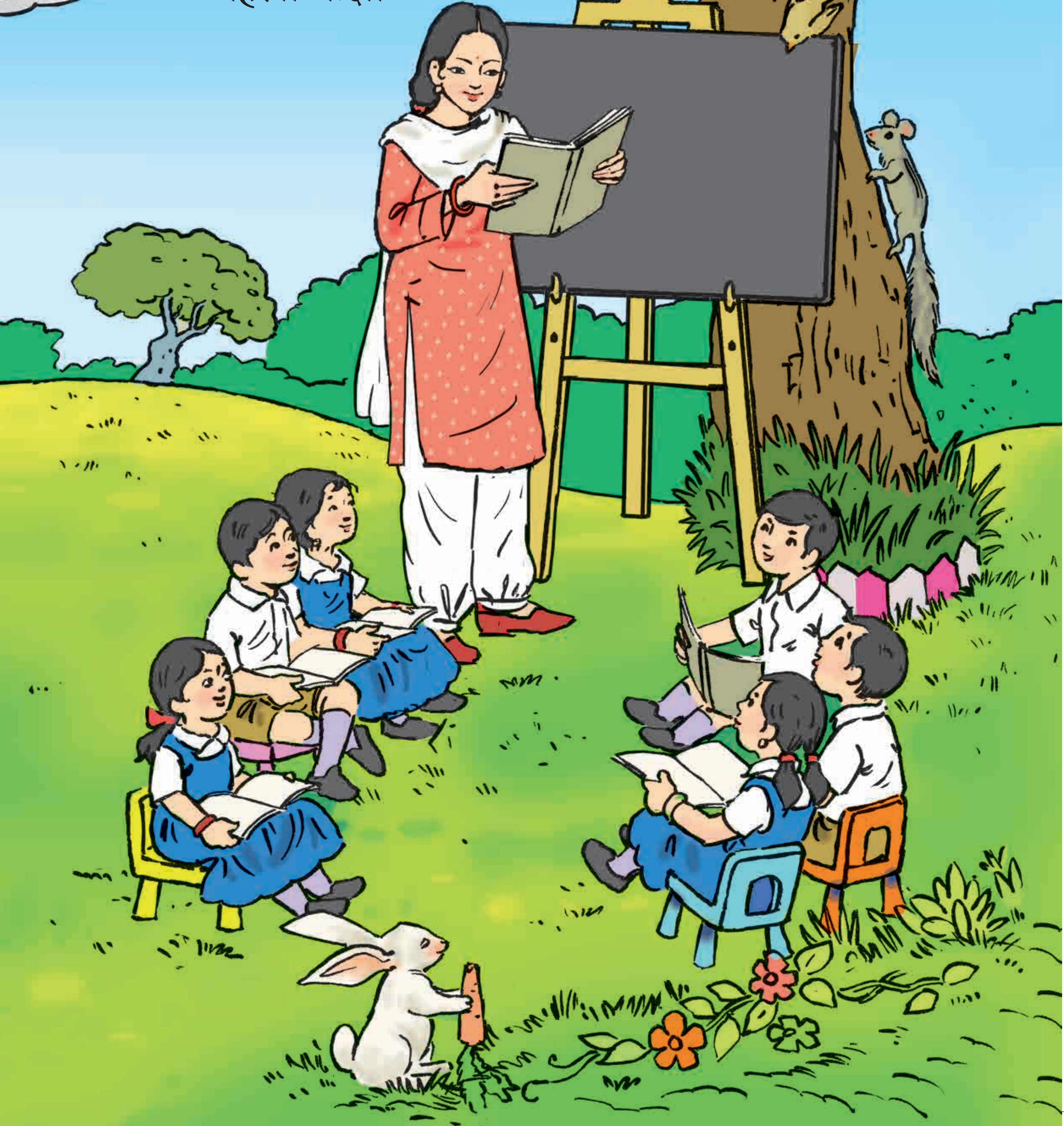

शासन निर्णय क्रमांक : अभ्यास-२११६/(प्र.क्र.४३/१६) एसडी-४ दिनांक २५.४.२०१६ के अनुसार समन्वय समिति का गठन किया गया।
दि. ८.५.२०१८ को हुई इस समिति की बैठक में यह पाठ्यपुस्तक निर्धारित करने हेतु मान्यता प्रदान की गई।

हिंदी बालभारती

पहली कक्षा

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे

2155NV

आपके स्मार्टफोन में 'DIKSHA App' द्वारा पाठ्यपुस्तक के प्रथम पृष्ठ पर Q.R.Code के माध्यम से डिजिटल पाठ्यपुस्तक देखने के लिए प्राप्त होगी । इसी तरह पाठ्यपुस्तक में आशय एवं कृति के अनुसार समाविष्ट किए गए Q.R.Code द्वारा अध्ययन-अध्यापन के लिए दृक-श्राव्य सामग्री भी उपलब्ध होगी ।

प्रथमावृत्ति : २०१८ © महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे – ४११००४
इस पुस्तक का सर्वाधिकार महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ के अधीन सुरक्षित है। इस पुस्तक का कोई भी भाग महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिती व अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ के संचालक की लिखित अनुमति के बिना प्रकाशित नहीं किया जा सकता।

हिंदी भाषा समिति

डॉ.हेमचंद्र वैद्य – अध्यक्ष
डॉ.छाया पाटील – सदस्य
प्रा.मैनोद्‌दीन मुल्ला – सदस्य
डॉ.दयानंद तिवारी – सदस्य
श्री रामहित यादव – सदस्य
डॉ.अलका पोतदार – सदस्य – सचिव

संयोजन :

डॉ.अलका पोतदार,
विशेषाधिकारी हिंदी भाषा,
पाठ्यपुस्तक मंडळ, पुणे
सौ. संध्या विनय उपासनी,
विषय सहायक हिंदी भाषा,
पाठ्यपुस्तक मंडळ, पुणे

निर्मिति :

श्री सच्चितानंद आफळे,
मुख्य निर्मिति अधिकारी
श्री सचिन मेहता
निर्मिति अधिकारी
श्री नितीन वाणी,
सहायक निर्मिति अधिकारी

प्रकाशक :

श्री विवेक उत्तम गोसावी
नियंत्रक
पाठ्यपुस्तक निर्मिती मंडळ
प्रभादेवी, मुंबई–२५

हिंदी भाषा निमंत्रित अभ्यासगट

डॉ. प्रमोद शुक्ल
श्रीमती रंजना पिंगळे
श्री भुमेश्वर खुमेश्वर कटरे
श्री जयप्रकाश गरीबदास सूर्यवंशी
श्री ईश्वरदयाल राधेलाल गौतम
श्रीमती पूनम शिंदे
श्री माताचरण मिश्र
श्रीमती जसवंत कौर पड्ढा
श्री प्रकाश रामसिंग बर्वे
श्री अनिल कुमार जगन अंबुले
श्री प्रेमेन्द्र देबिलाल चौहान
श्री महेश एम. शिंदे
श्री दिलीप एस. होटे
श्री रेखलाल प्रेमलाल रहांगडाले
श्री संजय हिरणवार
श्रीमती प्रभावती पाटणे
श्रीमती संध्या तळवेकर

मुखपृष्ठ : फारुख नदाफ

चित्रांकन : राजेंद्र गिरधारी, अपूर्वा बारंगळे, मयूरा डफळ, राजेश लवळेकर

अक्षरांकन : भाषा विभाग, पाठ्यपुस्तक मंडळ, पुणे

कागज : ७० जीएसएम, क्रीमवोव

मुद्रणादेश : N/PB/2018-19/1,00,000

मुद्रक : M/S. SPENTA MULTIMEDIA PVT. LTD., THANE

भारत का संविधान

उद्देशिका

हम, भारत के लोग, भारत को एक **संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य** बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :

सामाजिक, आर्थिक और राजनैतिक **न्याय,**

विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म

और उपासना की **स्वतंत्रता,**

प्रतिष्ठा और अवसर की **समता**

प्राप्त कराने के लिए,

तथा उन सब में

व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता

और अखंडता सुनिश्चित करने वाली **बंधुता**

बढ़ाने के लिए

दृढ़संकल्प होकर **अपनी इस संविधान सभा में** आज तारीख 26 नवंबर, 1949 ई. (मिति मार्गशीर्ष शुक्ला सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) **को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं ।**

राष्ट्रगीत

जनगणमन – अधिनायक जय हे
भारत – भाग्यविधाता ।
पंजाब, सिंधु, गुजरात, मराठा,
द्राविड, उत्कल, बंग,
विंध्य, हिमाचल, यमुना, गंगा,
उच्छल जलधितरंग,
तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशिस मागे,
गाहे तव जयगाथा,
जनगण मंगलदायक जय हे,
भारत – भाग्यविधाता ।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय, जय हे ।।

प्रतिज्ञा

भारत मेरा देश है । सभी भारतीय मेरे भाई-बहन हैं ।

मुझे अपने देश से प्यार है । अपने देश की समृद्ध तथा विविधताओं से विभूषित परंपराओं पर मुझे गर्व है ।

मैं हमेशा प्रयत्न करूँगा/करूँगी कि उन परंपराओं का सफल अनुयायी बनने की क्षमता मुझे प्राप्त हो ।

मैं अपने माता-पिता, गुरुजनों और बड़ों का सम्मान करूँगा/करूँगी और हर एक से सौजन्यपूर्ण व्यवहार करूँगा/करूँगी ।

मैं प्रतिज्ञा करता/करती हूँ कि मैं अपने देश और अपने देशवासियों के प्रति निष्ठा रखूँगा/रखूँगी । उनकी भलाई और समृद्धि में ही मेरा सुख निहित है ।

प्रस्तावना

प्रिय विद्‌यार्थी मित्रो !

तुम औपचारिक शिक्षा पाने हेतु पहली कक्षा में आ पहुँचे हो । आओ तुम्हारा हृदय से स्वागत है । तुम्हारे लिए तैयार की गई पहली कक्षा की हिंदी बालभारती पाठ्‌यपुस्तक तुम्हें सौंपते हुए अत्यंत आनंद हो रहा है ।

पहली कक्षा प्राथमिक शिक्षा का प्रथम सोपान है । यहीं से तुम्हारी औपचारिक शिक्षा की शुरुआत होती है । यह शिक्षा की नींव है । यह नींव तभी मजबूत होगी जब तुम अच्छी तरह से हिंदी भाषा बोलना, पढ़ना और लिखना सीख जाओगे । अभी तक तुम घर एवं परिसर में हिंदी सुनते और बोलते आए हो । अब तुम्हें उसी हिंदी को पढ़ने और लिखने की शुरुआत करनी है ।

तुम्हें हिंदी भाषा सीखने में आनंद आए तथा सहजता के साथ तुम उसे सीख पाओ, इस बात को ध्यान में रखते हुए ही तुम्हारी इस पाठ्‌यपुस्तक की रचना की गई है । इस पुस्तक में दिए गए पात्र खुशी और आनंद तुम्हारे मित्र हैं । पूरी पुस्तक में वे तुम्हारे साथ रहेंगे । इसमें तुम्हें भाने वाले सुंदर एवं आकर्षक रंगीन चित्रों तथा कृतियों का समावेश किया गया है । इस पाठ्‌यपुस्तक की विशेषता यह है कि इसके अधिकांश पाठ विविध विषयों (थीम) पर आधारित हैं । पाठ्‌यपुस्तक में मधुर एवं सहजता से गाए जा सकने वाले बड़बड़ गीतों, बालगीतों, कविताओं को सम्मिलित किया गया है । इन्हें सामूहिक रूप से गाते हुए तुम सभी को बहुत आनंद आएगा । पुस्तक में बोधप्रद एवं मनोरंजक कहानियों को भी शामिल किया गया है जिन्हें सुनकर एवं पढ़कर तुम्हें बहुत अच्छा लगेगा । आकर्षक चित्रकथाओं में चित्रों को देख-देखकर उनमें छिपी कहानी ढूँढ़ने में तुम्हारी खुशी का ठिकाना नहीं रहेगा । चित्रों की कथाओं एवं अपने मजेदार अनुभवों को तुम्हें अपने परिजनों एवं मित्रों में बाँटने में बहुत आनंद आएगा ।

भाषा के वर्णों एवं शब्दों को सीखने के लिए पुस्तक में दिए गए रंगीन चित्र तुम्हारी सहायता करेंगे। चित्रों को देखकर पहचानना, बोलना, बोलते-बोलते पढ़ना फिर पढ़ते-पढ़ते अस्पष्ट बिंदियों पर पेंसिल फिराकर लिखना सीखना सभी कुछ मनोरंजक है । पुस्तक में कुछ भाषायी खेल भी दिए गए हैं । इन खेलों को खेलते-खेलते भाषा सीखना और अधिक आनंददायी है । हमें विश्वास है कि तुम्हें इन सारी गतिविधियों में बहुत आनंद आएगा । पहली कक्षा का वर्ष समाप्त होते-होते तुम बहुत अच्छी तरह से हिंदी बोलना, पढ़ना और लिखना सीख जाओगे । इस पुस्तक के कुछ पृष्ठों में नीचे क्यू. आर. कोड दिए गए हैं । क्यू. आर. कोड द्‌वारा प्राप्त जानकारी भी तुम्हें बहुत पसंद आएगी ।

विद्‌यार्थी मित्रो ! आनंदित होकर तन्मयता के साथ खूब पढ़ो और आगे बढ़ो । हमारी यही शुभकामना है ।

(डॉ. सुनिल मगर)
संचालक
महाराष्ट्र राज्य पाठ्‌यपुस्तक निर्मिती व
अभ्यासक्रम संशोधन मंडळ, पुणे-०४

पुणे
दिनांक : १६ मई २०१८
भारतीय सौर : २६ वैशाख १९४०

हिंदी अध्ययन निष्पत्ति : पहली कक्षा

यह अपेक्षा है कि पहली कक्षा के अंत तक विद्यार्थियों में भाषा विषयक निम्नलिखित अध्ययन निष्पत्ति विकसित हों ।

विद्‌यार्थी –

- विविध उद्‌देश्यों के लिए अपनी भाषा और पाठशाला की भाषा का प्रयोग करते हुए बातचीत करते हैं । जैसे – कविता, कहानी सुनाना, जानकारी के लिए प्रश्न पूछते, निजी अनुभवों को साझा करते हैं ।
- सुनी सामग्री (कहानी, कविता आदि) के बारे में बातचीत करते हैं, प्रश्न पूछते हैं ।
- भाषा में निहित ध्वनियों और शब्दों के साथ खेलने का आनंद लेते हैं । जैसे – फुक-फुक, छुक-छुक, रुक-रुक ।
- प्रिंट (लिखा या छपा हुआ) और गैर प्रिंट सामग्री (जैसे- चित्र या अन्य ग्राफिक्स) में अंतर करते हैं ।
- चित्र के सूक्ष्म और प्रत्यक्ष पहलुओं का बारीक अवलोकन करते हैं ।
- चित्र में या क्रमवार सजाए चित्रों में घट रही अलग-अलग घटनाओं, गतिविधियों और पात्रों को एक संदर्भ या कहानी के सूत्र में देखकर समझते हैं ।
- कहानी, कविताओं आदि में लिपि चिह्नों / शब्दों / वाक्यों आदि को देखकर और उनकी ध्वनियों को सुनकर, समझकर पहचान करते हैं ।
- संदर्भ की मदद से आसपास मौजूद छपी सामग्री के अर्थ और उद्‌देश्य का अनुमान लगाते हैं । जैसे – स्विच बटन पर लिखे 'ऑफ' का नाम बताते हैं ।
- अक्षर, शब्द और वाक्य की इकाइयों को पहचानते हैं । जैसे – 'मोर नाच रहा है ।' बताओ, यह कहाँ लिखा हुआ है ? / इसमें 'मोर' कहाँ लिखा हुआ है ? / 'मोर' में 'र' पर अँगुली रखो ।
- दिए गए वर्णों से सार्थक शब्द बनाते हैं ।
- शब्दों का सही क्रम लगाकर छोटे-छोटे वाक्य बनाते हैं ।
- वाक्यों का आशय समझते हुए कृति करते हैं ।
- परिचित / अपरिचित लिखित सामग्री (जैसे – मध्याह्न भोजन का चार्ट, अपना नाम, कक्षा का नाम, मनपसंद पुस्तक का शीर्षक आदि) में रुचि दिखाते हैं, बातचीत करते हैं । जैसे – केवल चित्रों या प्रिंट की मदद से अनुमान लगाना, अक्षर-ध्वनि संबंध का प्रयोग करना, शब्दों को पहचानना, पूर्व अनुभवों और जानकारी का प्रयोग करते हुए अनुमान लगाते हैं ।
- हिंदी वर्णमाला के अक्षरों की आकृति और ध्वनि को पहचानते हैं ।
- लिखना सीखने की प्रक्रिया के दौरान अपने विकासात्मक स्तर के अनुसार चित्रों, आड़ी-तिरछी रेखाओं, अक्षर-आकृतियों, स्व-वर्तनी (इनवेंटिड स्पैलिंग) और स्व-नियंत्रित लेखन (कनवैंशनल राइटिंग) के माध्यम से सुनी हुई और अपने मन की बातों को अपने तरीके से बोलने और लिखने का प्रयास करते हैं ।

शिक्षकों/अभिभावकों के सूचनार्थ ....

प्रिय शिक्षक/अभिभावक !

पहली कक्षा, हिंदी बालभारती की यह पाठ्‌यपुस्तक विद्‌यार्थियों के पूर्वज्ञान को दृष्टिगत रखते हुए भाषा के नवीन एवं व्यावहारिक प्रयोगों एवं मनोरंजक विषयों से सुसज्जित आपके सम्मुख प्रस्तुत है । इस पुस्तक में विद्‌यार्थियों के पूर्वअनुभव, घर-परिवार, परिसर के विषयों को आधार बनाकर श्रवण, भाषण-संभाषण, वाचन, लेखन के भाषिक मूल कौशलों के साथ आकलन, निरीक्षण, कृति, उपक्रम पर विशेष बल दिया गया है । पाठ्‌यपुस्तक में समाहित किए गए गीत, कविता, संवाद, कहानी आदि बहुत ही रंजक, आकर्षक सहज और सरल भाषा में प्रस्तुत किए गए हैं ।

पाठ्‌यपुस्तक की संरचना 'मूर्त से अमूर्त', 'स्थूल से सूक्ष्म', 'सरल से कठिन' एवं 'ज्ञात से अज्ञात' सूत्र को आधार बनाकर की गई है । क्रमबद्‌धता एवं क्रमिक विकास इस पुस्तक की विशेषता है । पूर्वानुभव से शुरुआत करके सुनो और बताओ, देखो; समझो और बताओ, सुनो, गाओ और बताओ, पहचानो और बोलो, सुनो और दोहराओ आदि कृतियों को क्रमशः प्रमुख स्थान दिया गया है । शिक्षकों/अभिभावकों एवं विद्‌यार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखकर पूरी पुस्तक को चार इकाइयों में बाँटा गया है । पहली से चौथी इकाई तक श्रवण एवं भाषण-संभाषण कौशलों को महत्त्व दिया गया है । प्रथम दो इकाइयों में श्रवण, भाषण-संभाषण को ८०% भारांश दिया गया है । इन इकाइयों में वाचन, लेखन की केवल शुरुआत की गई है । वहीं तीसरी और चौथी इकाइयों में वाचन एवं लेखन का भारांश क्रमिक बढ़ता गया है । श्रवण, भाषण-संभाषण के सभी विषय विद्‌यार्थियों के अनुभव जगत से ही जुड़े हुए हैं । अतः इससे विद्‌यार्थियों के इन कौशलों के विकास में अधिक आसानी होगी ।

अध्ययन-अध्यापन के पहले निम्न मुद्‌दों पर विशेष ध्यान दें :-

— सर्वप्रथम पूरी पुस्तक का गंभीरता से अध्ययन कर लें ।

— पाठ्‌यपुस्तक में भाषाई क्षमताओं श्रवण, भाषण-संभाषण, वाचन, लेखन एवं जरा सोचो-आकलन, खोजो, कृति करो आदि के लिए अलग-अलग आइकॉन (संकेत चित्र) दिए गए हैं । इन सभी 'आइकॉन' प्रतीकों को अच्छी तरह समझ लें और विद्‌यार्थियों को इन 'आइकॉन' प्रतीकों के अर्थ अच्छी तरह समझा दें । जिस पाठ में जो आइकॉन दिए गए हैं, वहाँ उस कृति को प्रमुख महत्त्व दिया जाना आवश्यक है । तदनुसार अभ्यास कराएँ ।

— प्रत्येक पाठ के प्रारंभ में दाहिनी ओर रेखांकित चित्र दिए गए है । विद्‌यार्थियों को इन चित्रों में रंग भरने के लिए प्रेरित करें ।

— प्रत्येक इकाई की शुरुआत का विषय विद्‌यार्थियों के पूर्व अनुभव पर आधारित है । उनके पूर्वज्ञान को आधार बनाकर नये ज्ञान, सूचना को विद्‌यार्थियों तक पहुँचाना है । प्रथम इकाई में 'मैं' के आधार पर प्रत्येक विद्‌यार्थी को उनका नाम और उनकी पसंद बताने का अवसर दें । दूसरी इकाई में 'हँस' के माध्यम से एक से दस तक की गिनती, श्रवण और संभाषण के अवसर देना अपेक्षित है । इसी जगह विद्‌यार्थियों में स्वच्छता, प्रेम, सच्चाई, पढ़ने, मिलकर खेलने, एकता, सदा प्रसन्न रहने के गुणों को भी अपनाने के लिए प्रेरित करना है । तीसरी इकाई में 'सप्ताह के दिन' द्‌वारा सभी दिनों के नाम, कल, आज, कल, परसों की संकल्पना के साथ-साथ पौधों को पानी देने, बड़ों को प्रणाम करने, खेल-कूद-योग, माँ के कामों में सहयोग करने आदि के

लिए भी विद्‌यार्थियों को सजग कराएँ । चौथी इकाई में आकलन एवं निरीक्षण क्षमता के विकास के लिए दिए गए चित्रों में अंतर बताने के लिए कहा गया है । आपसे यह अपेक्षा है कि विद्‌यार्थियों को इन्हें जानने, आत्मसात करने एवं अभिव्यक्त करने का अवसर प्रदान करें ।

— प्रत्येक इकाई में चित्रवाचन या चित्रकथा दी गई है । विद्‌यार्थियों को चित्रों के निरीक्षण का भरपूर अवसर दें । चित्रों पर चर्चा कराएँ । उन्हें प्रश्न पूछने के अवसर दें । आप विद्‌यार्थियों से प्रश्न पूछें । चित्रों में आए वाक्य पढ़कर सुनाएँ । उनसे दोहरवाएँ । यहाँ दी गई प्रत्येक कृति करें/करवाएँ । घर, परिसर में आवश्यकतानुसार ये कृतियाँ करने के लिए प्रेरित करें । चित्र देखकर विद्‌यार्थियों के मन में आए भाव/विचार व्यक्त करने के अवसर प्रदान करें ।

— प्रत्येक इकाई में श्रवण एवं भाषण-संभाषण के विकास के लिए प्रथम, द्‌वितीय एवं तृतीय इकाई में सुनो और दोहराओ, सुनो, गाओ और बताओ, सुनो, गाओ और दोहराओ के अंतर्गत बड़बड़गीत, बालगीत और कविताएँ दी गई हैं । इन गीतों, कविताओं को पहले आप उचित स्वर, लय-ताल, आरोह-अवरोह, हाव-भाव एवं अभिनय के साथ विद्‌यार्थियों को सुनाएँ । कई बार हाव-भाव एवं अभिनय के साथ दो-दो पंक्तियाँ बोलकर विद्‌यार्थियों से दोहरवाएँ । विद्‌यार्थियों को क्रमशः व्यक्तिगत, गुट में एवं सामूहिक रूप में दोहराने, बोलने, गाने के अवसर प्रदान करें।

— श्रवण, भाषण-संभाषण के विकास के लिए कहानी, चित्रकथा, संवाद दिए गए हैं । इनमें दिए गए चित्रों का विद्‌यार्थियों से निरीक्षण कराएँ । चित्रों के आधार पर उन्हें पहले अपने मन के भाव/विचार व्यक्त करने के अवसर दें । तदुपरांत आप स्वयं उचित हाव-भाव उच्चारण के साथ कहानी कई अंशों में विद्‌यार्थियों को सुनाएँ । विद्‌यार्थियों को कहानी दोहराने या बताने के लिए प्रेरित करें । कहानी पर छोटे प्रश्न पूछें । प्रश्न पूछकर चित्रों पर अँगुली रखने के लिए कहें । चित्रों में आए पशु-प्राणी, पेड़-पौधे, वस्तुओं के बारे में बोलने के लिए प्रेरित करें । आप सुनिश्चित करें कि प्रत्येक विद्‌यार्थी ने कहानी समझते हुए सुना है ।

— पाठ्‌यपुस्तक में दिए गए संवादों को उचित उच्चारण, आरोह-अवरोह के साथ सुनाएँ । पाठ में आए कुछ ऐसे प्रसंगो की निर्मिति करें जिससे विद्‌यार्थियों को बोलने के अवसर प्राप्त हों । दो विद्‌यार्थियों के बीच किसी संदर्भ/प्रसंग पर संवाद करवाएँ ।

— पाठों में खुशी और आनंद की सूचनाओं एवं कृतियों का अनुपालन कराएँ ।

— वर्ण, मात्रा, संयुक्ताक्षरयुक्त शब्द, वाक्य की पहचान, श्रवण, वाचन, लेखन आदि की शुरुआत विषय (थीम) पर आधारित हैं । पाठ्‌यपुस्तक में 'देखो और बताओ' के अंतर्गत चित्र दिए गए हैं । विद्‌यार्थियों से चित्रों का निरीक्षण कराएँ । चर्चा करें । नाम पूछें । व्यक्तिगत उत्तर प्राप्त करें । नाम बोलकर उस पर अँगुली रखवाएँ । यहीं 'सुनो और दोहराओ' में कुछ शब्द दिए गए हैं । इनको स्पष्ट उच्चारण के साथ विद्‌यार्थियों को सुनाएँ । उनसे बार-बार दोहरवाएँ ।

यहाँ दूसरी पंक्ति में दिए गए शब्द, ऊपर आए चित्र पर आधारित हैं । इन शब्दों का एक-एक करके उच्चारण करें, विद्‌यार्थियों से दोहरवाएँ और उस शब्द वाले प्राणी/वस्तु के चित्रों पर विद्‌यार्थियों को अँगुली रखने के लिए कहें । शब्दों के नीचे दिए गए वाक्य ऊपर के चित्रों एवं दूसरी पंक्ति के शब्दों पर ही आधारित हैं । इन्हें विद्‌यार्थियों को सुनाएँ और दोहरवाएँ । इन वाक्यों में आए शब्द एवं वर्ण आगे पढ़े जाने वाले वर्णों की पूर्वपीठिका के रूप में हैं । शब्दों को दोहरवाते समय प्रत्येक वर्ण के उच्चारण पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता है । चित्र पर आधारित अतिरिक्त शब्द, प्रश्न पूछे जा सकते हैं ।

— इसी पृष्ठ पर सबसे नीचे 'अनुरेखन' के अंतर्गत विद्‌यार्थियों के लिए सुनने, देखने और पेंसिल फिराने के लिए वर्ण दिए गए हैं । इसके पूर्व, वर्णों के अवयवों पर पेंसिल फिराने का अभ्यास अपेक्षित है । इससे विद्‌यार्थियों में पेंसिल पकड़ने और फिराने से उनकी अँगुलियों को यांत्रिक कुशलता प्राप्त होगी ।

— वहीं दूसरे पृष्ठ पर 'भाषण–संभाषण', 'पहचानो और बोलो', 'वाचन–पढ़ो', 'लेखन–समझो और लिखो', 'अनुरेखन' आदि कृतियाँ दी गई हैं । यहाँ वर्णों की पहचान कराने के लिए चित्र दिए गए हैं । यहाँ मूर्त से अमूर्त की ओर बढ़ते हुए प्रत्येक चित्र का निरीक्षण करवाएँ । उनके नाम बोलवाएँ। नाम के आधार पर शब्द और शब्द द्‌वारा ध्वनि प्रतीकों के उच्चारण करवाएँ । मानक उच्चारण बताएँ, दोहरवाएँ । वर्ण की पहचान कराएँ । इन चित्रों के नीचे दिए गए शब्द, वाक्य अब तक पढ़े हुए वर्णों और मात्राओं पर ही आधारित हैं । इनकी पहचान कराएँ । बार–बार उच्चारण कराएँ। नीचे दी गई जगह में समान ध्वनिवाले वर्ण लिखवाएँ । सूचनानुसार इस पृष्ठ पर दी गई सभी कृतियों का अभ्यास कराएँ ।

— यहाँ 'वाचन–पढ़ो' में दिए गए वर्ण और उनसे बने शब्दों को श्यामपट्‌ट पर लिखकर स्वयं पढ़ें और विद्‌यार्थियों से सामूहिक, गुट में एवं एकल अनुवाचन कराएँ । वर्णों एवं शब्दों के कार्ड तैयार करें । उनसे विद्‌यार्थियों द्‌वारा शब्द और वाक्य बनवाएँ । यहीं 'समझो और लिखो' में ध्वनि प्रतीकों अर्थात वर्णों के लिखित रूप का अभ्यास अपेक्षित है । यहाँ वर्णों के क्रम बदलकर दिए गए हैं । विद्‌यार्थियों को उन्हें पहचानने और दिखाए गए आकार के अनुसार उन वर्णों को चिह्नांकित करने के लिए कहें । वर्णों की पहचान होने तक अभ्यास कराएँ ।

— इसी तरह संयुक्ताक्षर , संयुक्ताक्षर शब्दों (वर्णों के मेल), वाक्यों का दृढ़ीकरण होने तक अभ्यास कराएँ । तीसरी, चौथी इकाइयों में नीचे अनुरेखन के स्थान पर अनुलेखन का अभ्यास कराना अपेक्षित है ।

— तीसरी, चौथी इकाइयों में बालगीत, कविता, चित्रकथा, कहानी, संवाद आदि पढ़ने और आवश्यकतानुसार लिखने के लिए दिए गए हैं । इनके पढ़ने, बताने, चर्चा करने, निरीक्षण करने, लिखने आदि का सूचनानुसार अभ्यास एवं दृढ़ीकरण आवश्यक हैं । कविता, कहानी, संवाद आदि के वाचन में उचित उच्चारण, हावभाव, आरोह–अवरोह, लय–ताल, अभिनय आदि का योग्य स्थान पर अवश्य उपयोग करें ।

— पाठ्‌यपुस्तक में पाठों, अभ्यास एवं पुनरावर्तन के अंतर्गत अनेक कृतियाँ दी गई हैं । इन कृतियों का बार–बार अभ्यास अपेक्षित है ।

पाठ्‌पुस्तक में अनुरेखन, अनुलेखन, शब्दों के श्रुतलेखन तत्पश्चात शब्द, वाक्य, लेखन, कहानी लेखन आदि का क्रमश: सूचनानुसार अभ्यास कराएँ ।

— पाठों के माध्यम से अनेक अच्छी आदतें, मूल्यों, जीवन कौशलों एवं मूलभूत तत्त्वों का समावेश किया गया है । यथास्थान इनको महत्त्व दें । इनके दृढ़ीकरण हेतु आवश्यक प्रसंगों का निर्माणकर विद्‌यार्थियों द्‌वारा अभ्यास कराना अत्यावश्यक है ।

— पाठ्‌यसामग्री का मूल्यमापन निरंतर होने वाली प्रक्रिया है । पाठ्‌यपुस्तक में सन्निहित सभी कौशलों/क्षमताओं, कृतियों, उपक्रमों का समान सतत एवं सर्वंकष मूल्यमापन अपेक्षित है ।

विश्वास है कि आप सब अध्ययन–अध्यापन में इस पुस्तक का कुशलतापूर्वक उपयोग करते हुए विद्‌यार्थियों में हिंदी भाषा के प्रति आत्मीयता जागृत करने में समर्पक सहयोग देंगे ।

***

✻ विषयसूची ✻

पहली इकाई

- ✻ मैं
- ✻ पहला दिन
- ✻ वर्षा
- ✻ रेलगाड़ी
- ✻ गाना-बजाना
- ✻ हरियाली
- ✻ बाजार
- ✻ नूपुर-शूकुर
- ✻ कृषक
- ✻ मैं गांधी बन जाऊँ
- ✻ अभ्यास-१
- ✻ अभ्यास-२

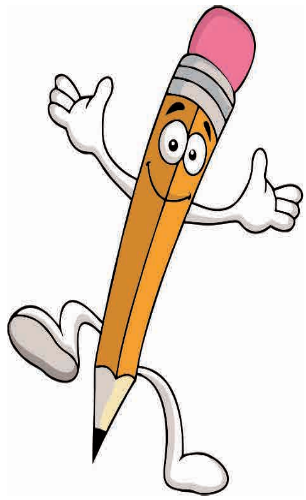

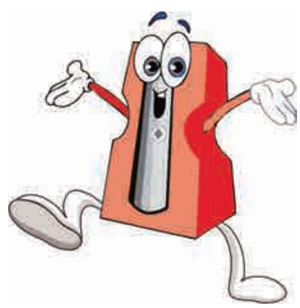

दूसरी इकाई

- ✻ हँस
- ✻ वृक्ष बढ़ाओ
- ✻ पैसे
- ✻ रोबोट और आकार
- ✻ झंडा
- ✻ मेरी पहचान
- ✻ माँ
- ✻ हॉकी
- ✻ श्रमदान
- ✻ कागज की थैली
- ✻ पुनरावर्तन-१

तीसरी इकाई

- ✻ सप्ताह के दिन
- ✻ मेला
- ✻ फलों की दुनिया
- ✻ सब्जियाँ
- ✻ पाठ्यपुस्तक
- ✻ बचत एवं स्वच्छता
- ✻ अ से श्र तक
- ✻ गफ्फार की चक्की
- ✻ मेरा राज्य
- ✻ जन्मदिन
- ✻ अभ्यास-३
- ✻ अभ्यास-४

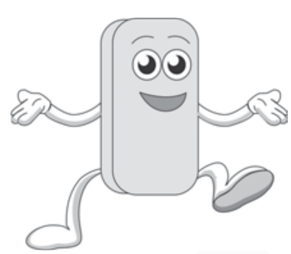

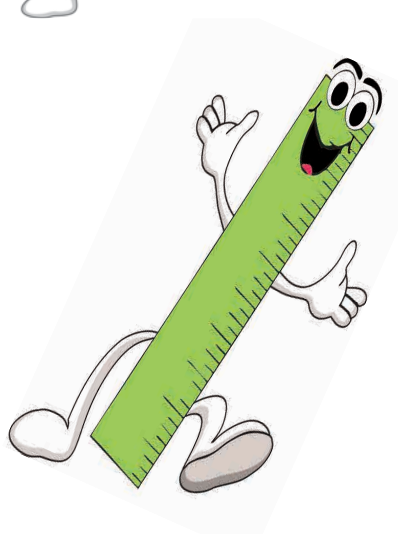

चौथी इकाई

- ✻ अंतर खोजो
- ✻ सच्चा मित्र
- ✻ मेरी गुड़िया
- ✻ शेर और चूहा
- ✻ छोटा ग्राहक
- ✻ मिट्टी की माला
- ✻ मैं हूँ कौन ?
- ✻ सुखी परिवार
- ✻ वाचन कुटी
- ✻ ध्वजगीत
- ✻ पुनरावर्तन-२
- ✻ वर्णमाला,पंद्रहखड़ी

पूर्वानुभव – सुनो और बताओ :

* मैं

मैं खुशी हूँ । मुझे खेलना पसंद है ।

मैं आनंद हूँ । मुझे गाना पसंद है ।

अपना चित्र बनाओ ।

मेरा नाम .... है ।

चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :

१. पहला दिन

बड़बड़ गीत – सुनो और दोहराओ :

पहली इकाई

टन–टन–टन घंटी टंकारे,
पाठशाला में चलो पुकारे ।
गली, मुहल्ला हुआ पुराना,
नये ज्ञान के दीप जलाना ।
मिलजुलकर सब पढ़ने आओ,
इक दूजे से हाथ मिलाओ ।

नई–नई यह पुस्तक पाओ,
इसकी मीठी कविता गाओ ।
सखी हमारी पुस्तक रानी,
रोज सुनाए हमें कहानी ।
बीत गया दिन हो गई शाम,
बज गई घंटी अब आराम ।

21E1QI

बालगीत – सुनो, गाओ और बताओ :

२. वर्षा

बरसा पानी झम-झम-झम,
खेलें आओ मिलकर हम ।
मेघ गरजता घम-घम-घम,
मोर नाचता छम-छम-छम ।

मेंढक बोला टर-टर-टर,
लगता नहीं मुझे अब डर ।
भर गए सारे ताल-तलैया,
नाच रहे मिल ता-ता-थैया ।

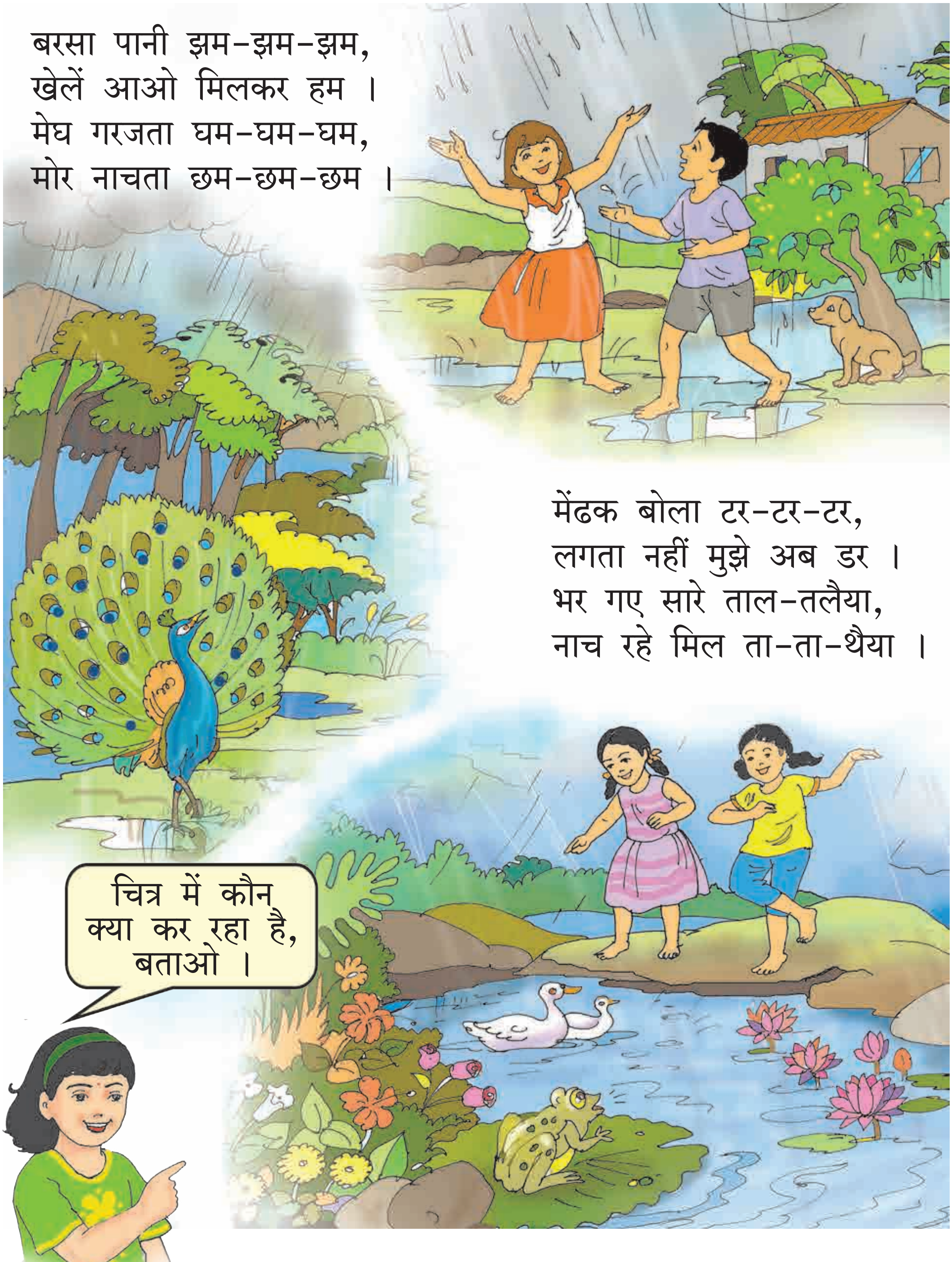

कहानी – सुनो, समझो और दोहराओ :

चार वर्ष पहले की बात है। रोहन, गुरमीत, मारिया, हमीद गाँव के बाहर बैठे थे। एकाएक आसमान में बादल गड़गड़ाने लगे। बहुत तेज वर्षा शुरू हो गई। चारों ओर पानी भर गया। वर्षा थमने के बाद मारिया और रोहन कागज की नावों को पानी में छोड़ने लगे। इतने में जोर की बिजली कड़की।

हमीद फिसलकर गिर गया। गुरमीत चिल्ला पड़ा। चरवाहा डर कर पेड़ से सटकर खड़ा हो गया। उसी रास्ते से छाता लिए दीनानाथ जी सोहन के साथ जा रहे थे। उन्होंने चरवाहे को समझाया कि बरसात में पेड़ के नीचे नहीं खड़े होना चाहिए। बिजली गिरने का डर रहता है।

दीनानाथ जी का कहना मानकर वह पेड़ के नीचे से हट गया। तभी उसी पेड़ पर कड़कड़ाते हुए बिजली गिरी। पेड़ टूटकर गिर गया। बड़ों का कहना मानने के कारण चरवाहे की जान बच गई। चरवाहे ने दीनानाथ जी को धन्यवाद कहा। सभी अपने-अपने घर चले गए।

21HHS6

कविता – सुनो और गाओ :

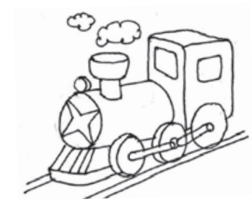

३. रेलगाड़ी

– सोनी विद्‌याशंकर सिंह

आओ हम सब खेलें खेल,
मिलकर सभी बनेंगे रेल ।
करती जाती फुक-फुक रेल,
आती देखो छुक-छुक रेल ।
स्टेशन आया रुक, रुक, रुक,
आओ हम सब खाएँ कुछ ।
जो जी चाहे प्रेम से खाओ,
लेकिन पहले पैसे लाओ ।
बज गई सीटी चलेगी रेल,
बैठो जल्दी, बढ़ेगी रेल ।
दूर अभी तो जाना है,
बाट जोहते नाना हैं ।
सरपट दौड़ लगाती रेल,
छुक-छुक करती जाती रेल ।

अनुरेखन – वर्ण अवयवों पर पेंसिल फिराओ :

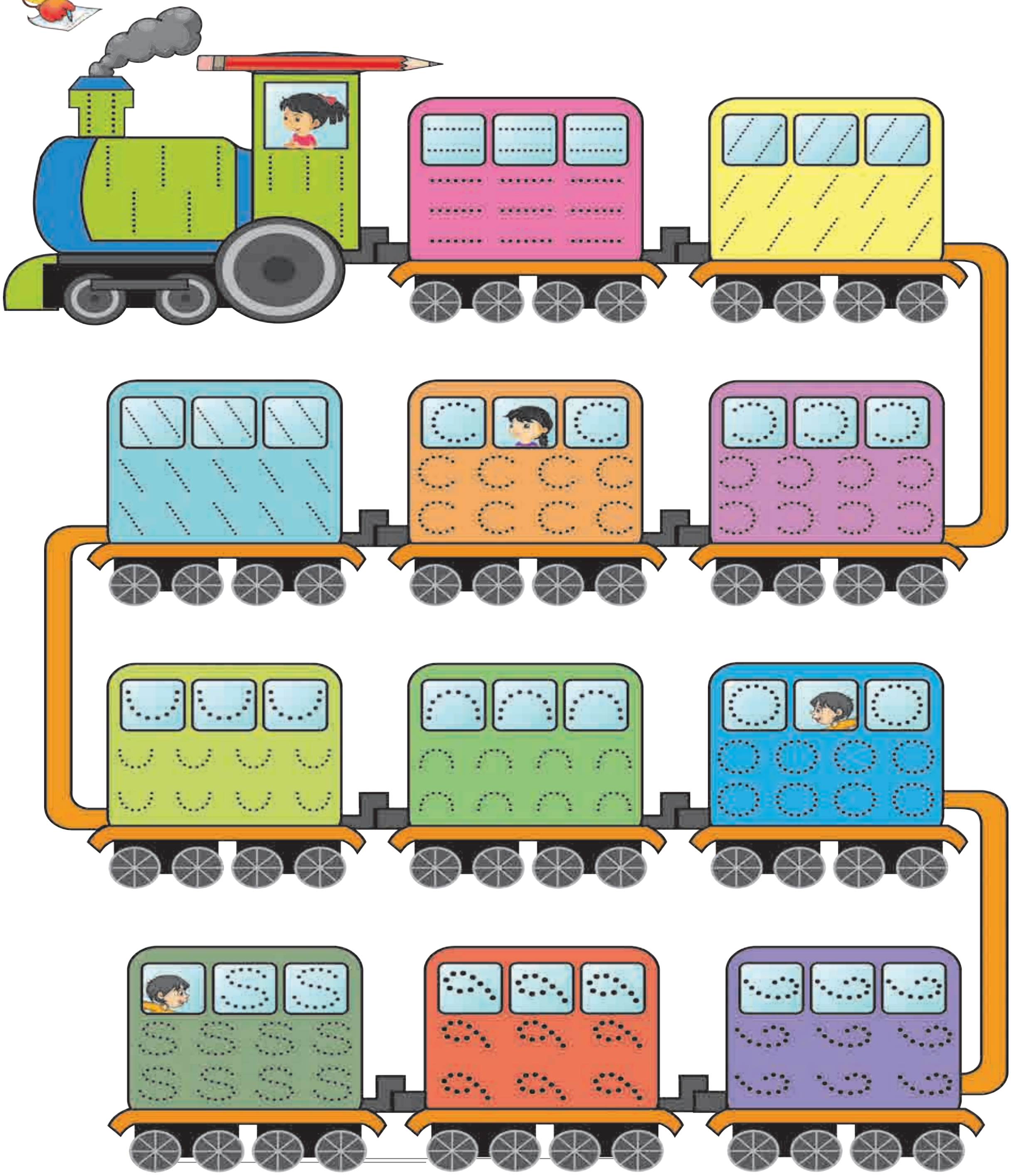

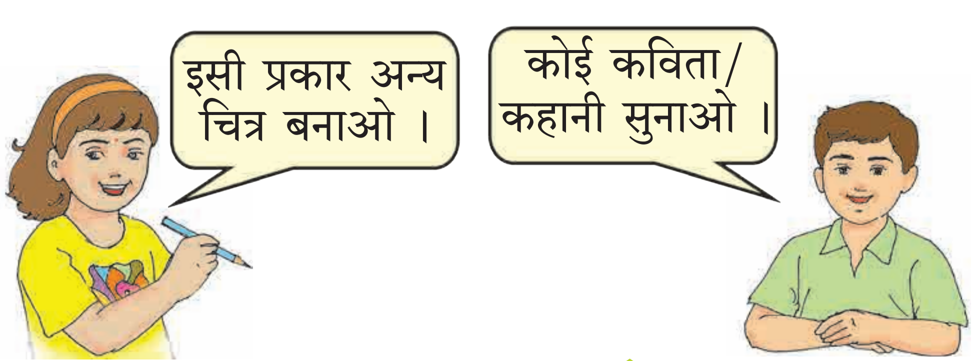

29DSJN

४. गाना–बजाना

चित्रवाचन – देखो और बताओ :

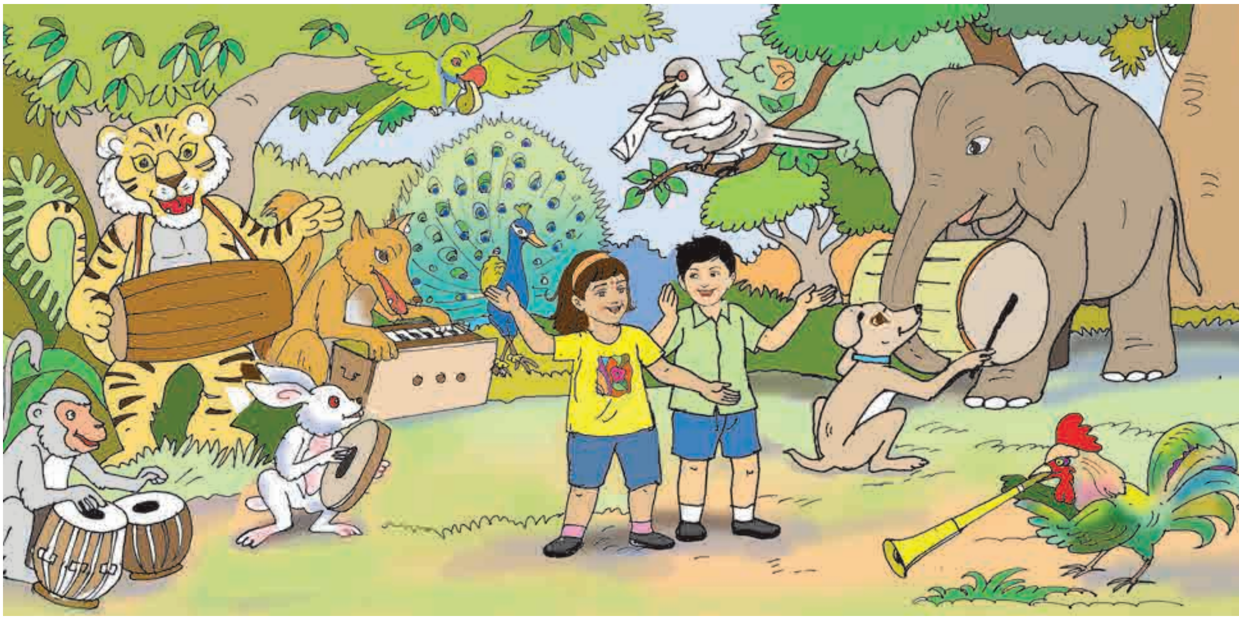

श्रवण – सुनो और दोहराओ :

मनु कोमल गजरा झाग भरत वैभव नमाज वन अशोक तुअर आरती कौआ
मुर्गा मोर बाघ लोमड़ी कबूतर डफली पुंगी सीटी शहनाई ढोलक ड्रम घुँघरू

खुशी और आनंद गाना गा रहे हैं ।

तोता सीटी बजाता है ।
हाथी ने ड्रम पकड़ा है ।
मोर नाच रहा है ।
बाघ ढोलक बजा रहा है ।

लोमड़ी हारमोनियम पर गा रही है ।
मुर्गे ने चोंच में शहनाई पकड़ी है ।
बंदर तबला बजा रहा है ।
खरगोश डफली बजाता है ।

अनुरेखन – देखो और पेंसिल फिराओ :

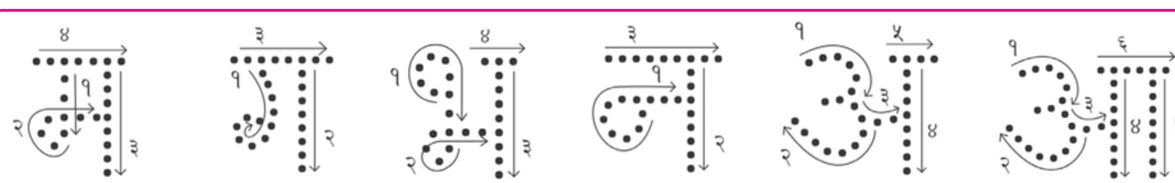

भाषण–संभाषण – पहचानो और बोलो :

आ ा

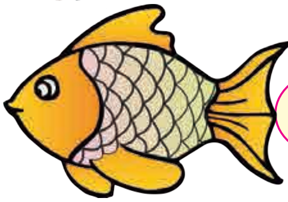
म

ग

भ

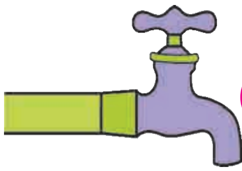
न

अ

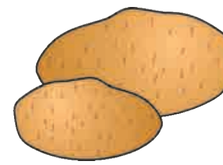
आ

वाचन – पढ़ो :

आ नभ मन भन आम अमन मगन गमन आगम
नाग मान भान भाग आभा मामा नाना आना गाना
गामा आ । मगन गा । गगन भाग ।
नमन भाग । अमन भाग आ । आभा गाना गा ।

लेखन – समझो और लिखो : (चित्रों का निरीक्षण करो और उनके नाम बताओ । शब्द सुनो और समान ध्वनि पहचानो।)

मग ......

मगर ......

सांभर 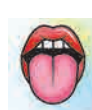 ......

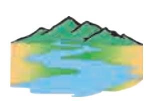 ऐनक ......

तुअर महुअर ......

टुआल ......

अनुरेखन – देखो, पेंसिल फिराओ और पढ़ो : आ ा

माना गाना भागा आभा मामा

29HNLB

५. हरियाली

चित्रवाचन – देखो और बताओ :

श्रवण – सुनो और दोहराओ :

जलेबी भोजन चपाती पाँच तकिया शतरंज ललिता अनिल इकाई बाइबिल ईशा रसोई बगीचा तितली मछली फिसलपट्टी पानी गेंदा पुल गुलाब मोगरा बुलबुल कूड़ादान

खुशी और आनंद बगीचे में खेलने के लिए गए हैं ।

आकाश नीला है ।
यहाँ रंग-बिरंगे फूल खिले हैं ।
फूलों पर भँवरा और तितलियाँ हैं ।
तालाब में बगुला और मछलियाँ हैं ।
लोग घूम रहे हैं ।
नीम के पेड़ पर पक्षी हैं ।
बच्चे वहाँ झूला झूल रहे हैं ।
कूड़ेदान का उपयोग करना चाहिए ।

अनुरेखन – देखो और पेंसिल फिराओ :

ज च त ल इ ई

भाषण–संभाषण – पहचानो और बोलो : इ ि ई ी

ज 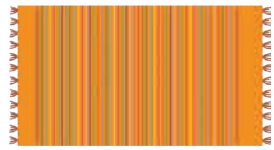 च 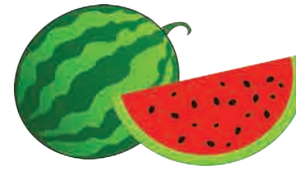 त

ल 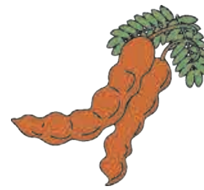 इ 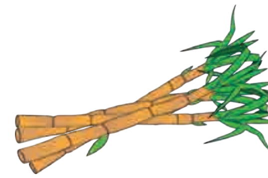 ई

वाचन– पढ़ो :

जल तन इन मई आज ताला लीला तिल चलन जागना मिताली

अनिल भजन गा। मीत गमला ला। मीनल, जतिन चल।
ललिता गई। अमन चमचम ला। आभा आग मत जला।
नीलिमा जा। जगत जल ला। अमिता आज आई।

लेखन– समझो और लिखो : (चित्रों का निरीक्षण करो और उनके नाम बताओ। शब्द सुनो और समान ध्वनि पहचानो।)

जलेबी ......

पालक 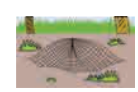 ......

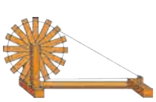 कचरा चम्मच ......

कुइयाँ ......

तकिया ......

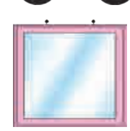 मिठाई ......

अनुरेखन– देखो, पेंसिल फिराओ और पढ़ो : इ ि ई ी

जाई इनाम चिमनी तितली गिनती

29HJHY

चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :

६. बाजार

संवाद – सुनो और दोहराओ :

रमा : साहिल, **कल** कहाँ गए थे ?

साहिल : मैं, ताऊ जी, ताई जी के साथ बाजार गया था।

रमा : बाजार से क्या लाए ?

साहिल : तुम्हारे लिए चित्रकथा की पुस्तक ।

रमा : धन्यवाद ! पर मुझे क्यों नहीं ले गए ?

साहिल : माफ करना, भूल गया ।

रमा : फिर कब जाओगे ?

साहिल : अब **कल** जाऊँगा ।

रमा : तो मैं भी साथ चलूँगी ।

साहिल : ठीक है । **परसों** डॉली और आर्यन खेलने के लिए आने वाले हैं ।

रमा : अरे वाह ! और-कौन-कौन आएँगे ?

साहिल : आनंद और खुशी भी आएँगे । रमा ! तुम कितने प्रश्न पूछती हो ?

कृति – समझो और बताओ :

कल	आज	कल	परसों
----	सोमवार	----	----

2A6FPL

चित्रवाचन – देखो और बताओ :

७. नूपुर-शूकुर

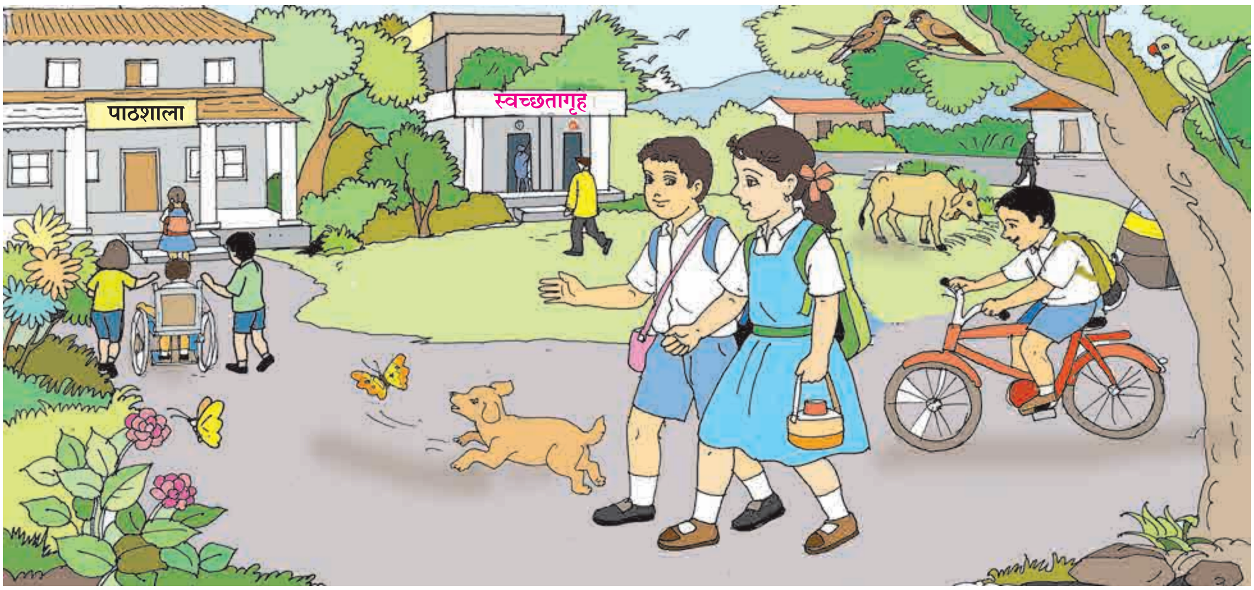

श्रवण – सुनो और दोहराओ :

पराग पीपल षष्ठी पीयूष फरहान सौंफ गणना किरण उर्मिला माउस ऊपर लखनऊ
पेड़ गुलाब सड़क जूता दिव्यांग खिड़की छत उड़ना गौरैया पाठशाला गाय दरवाजा

खुशी और आनंद, गौरव को लेकर पाठशाला जा रहे हैं ।

नूपुर और शूकुर बातें करते जा रहे हैं।
गाय घास खा रही है।
रास्ते के दोनों ओर पेड़-पौधे हैं।
डाल पर दो गौरैया बैठी हैं।
पेड़ पर तोता बैठा है।
टॉमी तितली के पीछे दौड़ रहा है।
ऑटोरिक्शा के आगे साइकिल है।
स्वच्छतागृह का उपयोग करना चाहिए।

अनुरेखन – देखो और पेंसिल फिराओ :

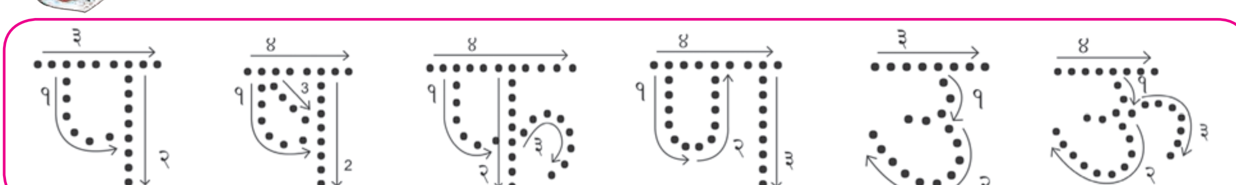

भाषण–संभाषण – पहचानो और बोलो : ऊ ू ॐ ृ

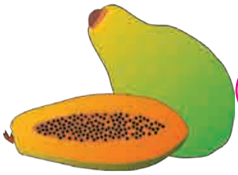 प 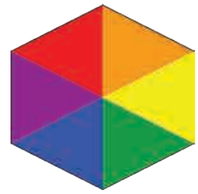 ष फ

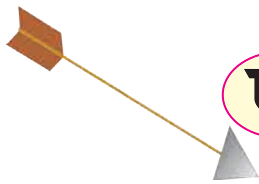 ण उ ऊ

वाचन– पढ़ो :

पल फल गण ऊन उषा मिलाप चीतल नीलिमा जामुन भूषण जुगनू

रमण फूल ला ।	भानू गीत गा ।	माई चली गई ।
मीनू आभूषण ला ।	अनूप तान लगा ।	चल–चल भाई ।
उषा जामुन ला ।	मनु चल भाग ।	मनाली फल ला ।

लेखन– समझो और लिखो : (चित्रों का निरीक्षण करो और उनके नाम बताओ । शब्द सुनो और समान ध्वनि पहचानो ।)

रुपया ......

षष्ठी ......

फसल 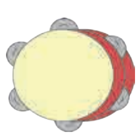 ......

श्रमण ......

चाउर ......

गऊ उबाऊ ......

अनुरेखन– देखो, पेंसिल फिराओ और पढ़ो : ऊ ू ॐ ृ

ताऊ नीति उफान पाषाण जुगनू

2AFBR9

चित्रवाचन – देखो और बताओ :

८. कृषक

श्रवण – सुनो और दोहराओ :

वरदान सावन बरगद बकरी कस्तूरी महक चित्रा चञ्चल ऋतिक उऋण
प्रकृति बुआई फसल जोताई वृक्ष कृषक बैल हल अनाज झारा बिजूका

आनंद और खुशी सैर करने खेत में गए ।

कृषक हल चलाता है ।
उसके पास बैल की एक जोड़ी है ।
लड़का पौधा लगा रहा है ।
माँ समझा रही है ।

खेत में बिजूका है ।
तालाब में बतख है ।
किसान हमारा अन्नदाता है ।
खेत में फसल लहलहाती है ।

अनुरेखन – देखो और पेंसिल फिराओ :

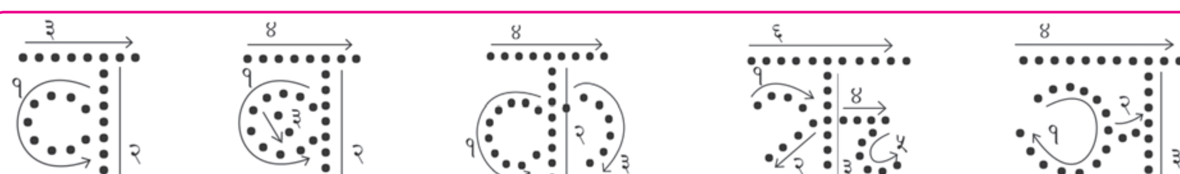

ऋ ृ

भाषण–संभाषण – पहचानो और बोलो :

व

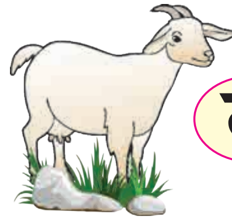
ब

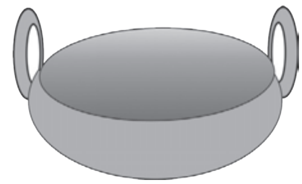
क

ऋ

त्र

वाचन– पढ़ो :

कब ऋण वचन चित्रा मृग बुआ मूली विनीत जुनून मृणालिनी

बबिता कमीज ला । ऋतु ताली बजा । मनीष वजन ला ।
बिजली चली गई । विमला नाव चला । कमल गाना गा ।
लतिका, विनिता आओ । पवन बाल बना । कविता ताला लगा ।

लेखन– समझो और लिखो :

(चित्रों का निरीक्षण करो और उनके नाम बताओ । शब्द सुनो और समान ध्वनि पहचानो ।)

चावल ......

कलश ......

शरबत ......

महाऋषि उऋण ......

अनुरेखन – देखो, पेंसिल फिराओ और पढ़ो :

ऋ ृ

ऋषि कृप चित्रा बकुळ मृणाल

2AP7SH

कविता – सुनो, गाओ और दोहराओ :

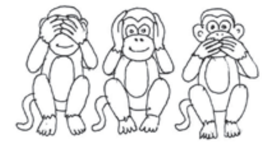

९. मैं गांधी बन जाऊँ

– *निरंकारदेव सेवक*

माँ, खादी की चादर दे-दे,
मैं गांधी बन जाऊँ ।
सब मित्रों के बीच बैठ,
फिर रघुपति राघव गाऊँ ।
निकर नहीं, धोती पहनूँगा,
खादी की चादर ओढ़ूँगा ।
घड़ी कमर में लटकाऊँगा,
सैर सबेरे कर आऊँगा ।
मैं बकरी का दूध पिऊँगा,
जूता अपना-आप सिऊँगा ।
आज्ञा तेरी मैं मानूँगा,
सेवा का प्रण मैं ठानूँगा ।
मुझे रूई की पूनी दे-दे,
चरखा खूब चलाऊँ ।
माँ, खादी की चादर दे-दे,
मैं गांधी बन जाऊँ ।

2AY3UJ

अभ्यास–१

कृति – देखो और करो :

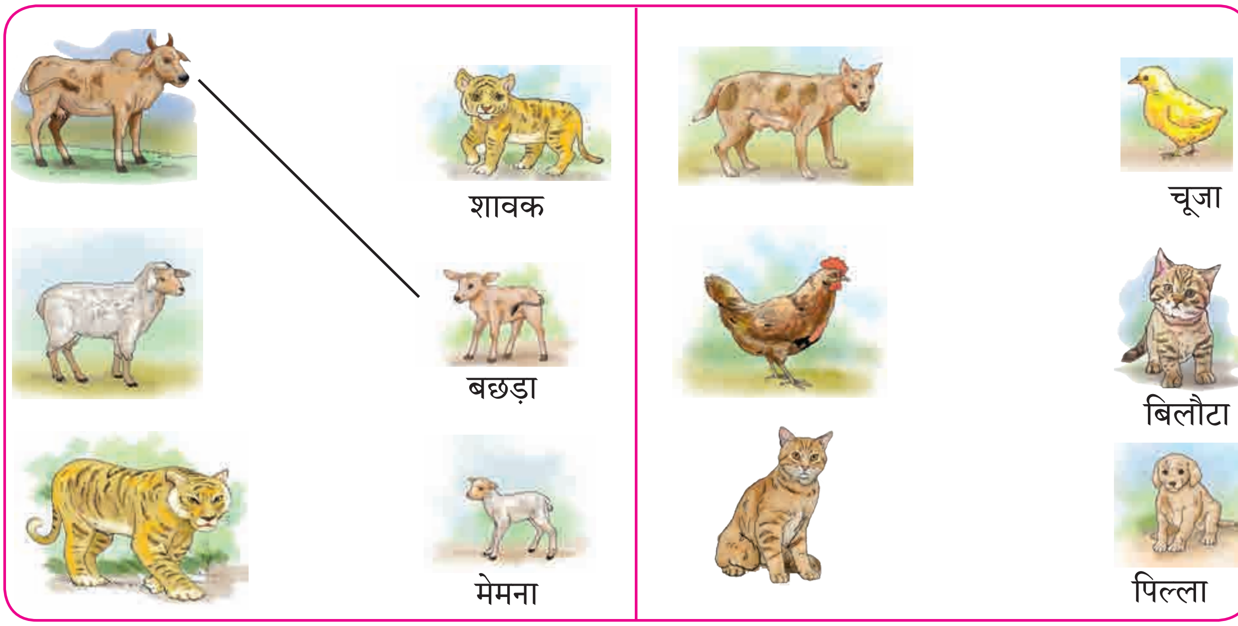

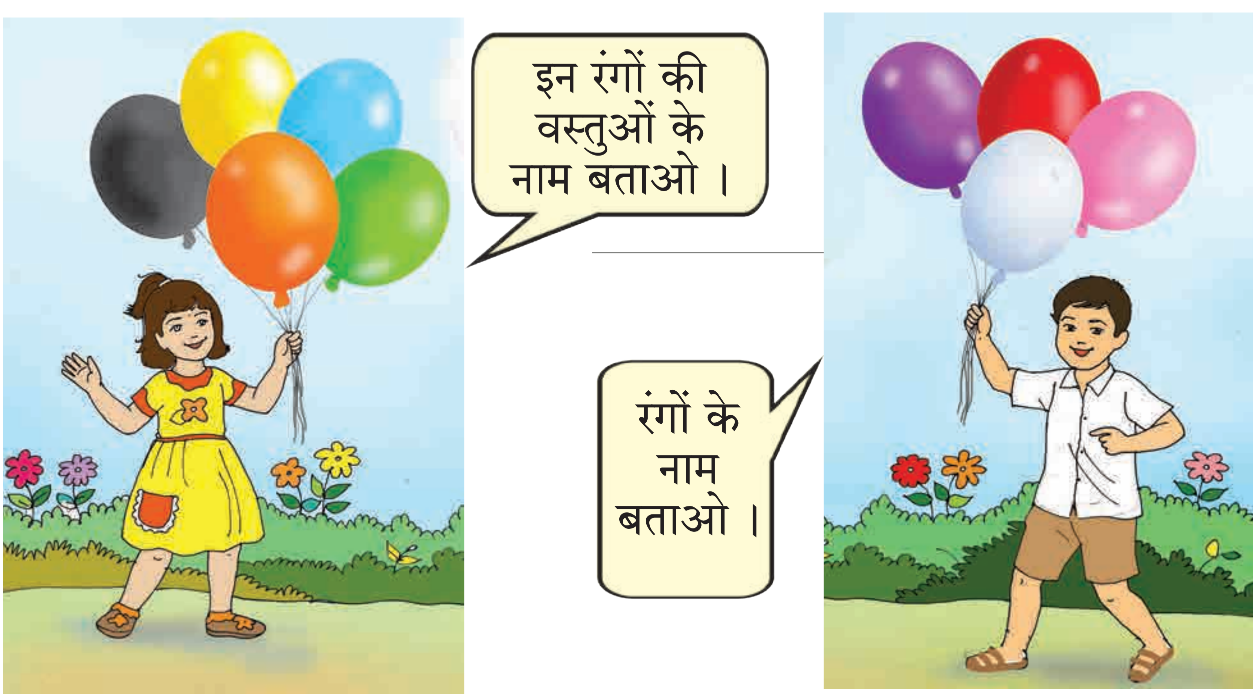

चींटी, बाँबी तक कैसे जाएगी, उसे उँगली से दिखाओ :

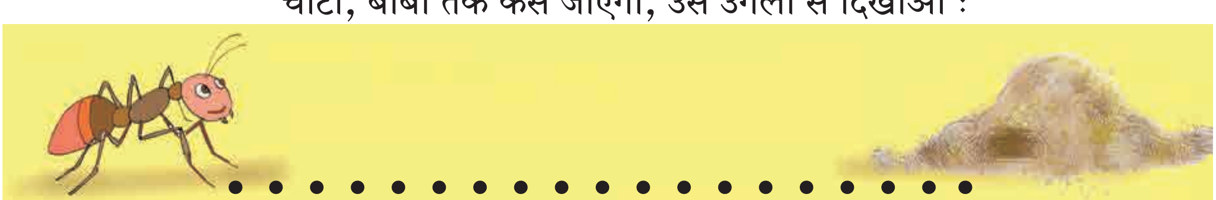

अभ्यास – २

कृति – क्या भूल गए, पहचानो और बताओ :

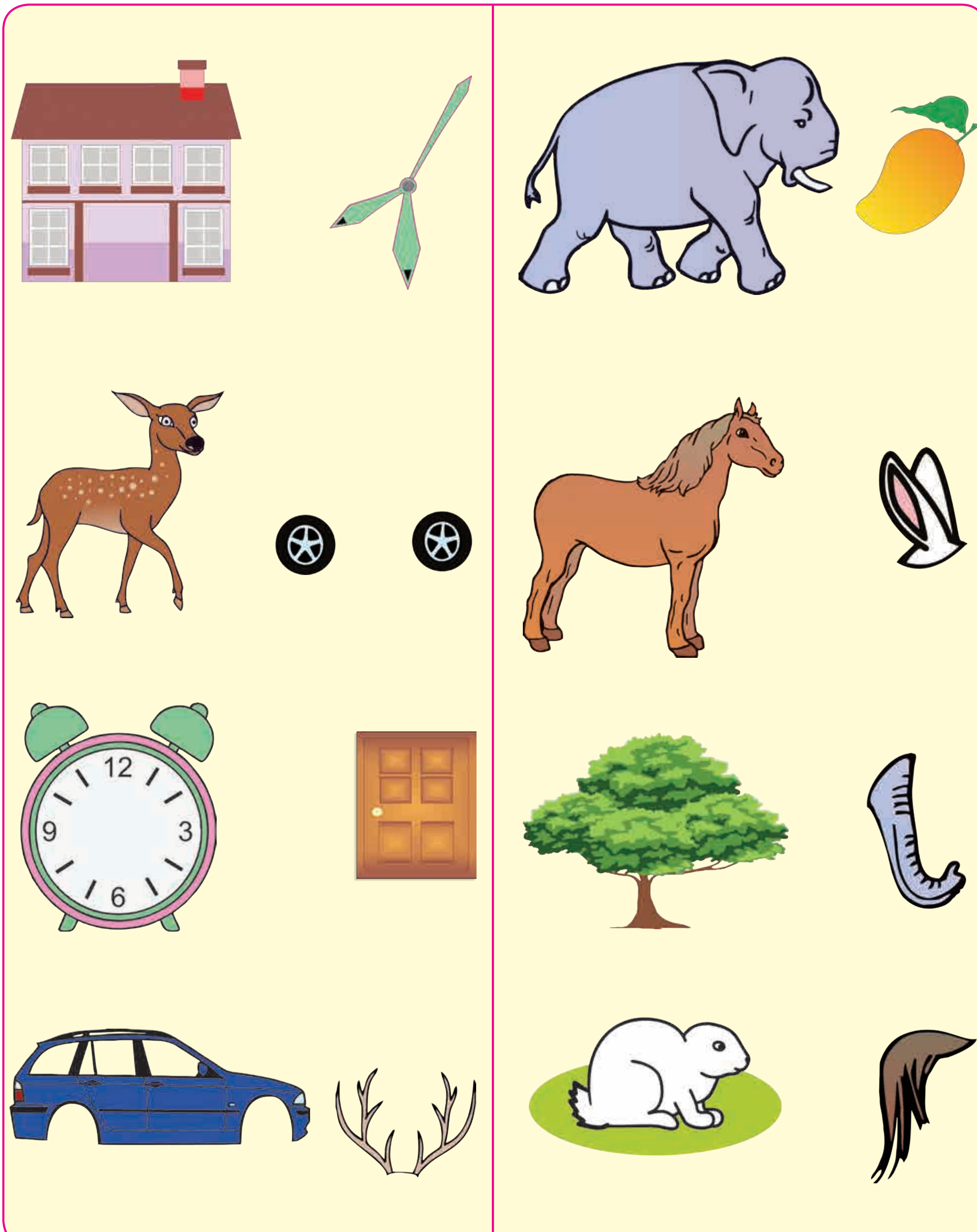

पूर्वानुभव - सुनो और बताओ :

* हँस

– आशारानी व्होरा

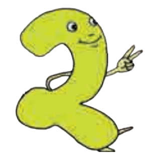

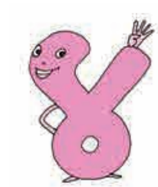

एक-दो-तीन,
आँगन से कचरा बीन ।
दो-तीन-चार,
सबसे करो प्यार ।
तीन-चार-पाँच,
साँच को नहीं आँच ।
चार-पाँच-छह,
पढ़ाई करते रह ।
पाँच-छह-सात,
खेलें मिलकर साथ ।
छह-सात-आठ,
एकता के ठाट ।
सात-आठ-नौ,
मन उदास क्यों ?
आठ-नौ-दस,
खिलखिलाकर हँस ।

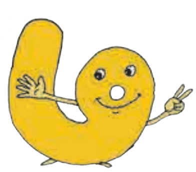
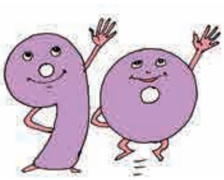

चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :

१. वृक्ष बढ़ाओ

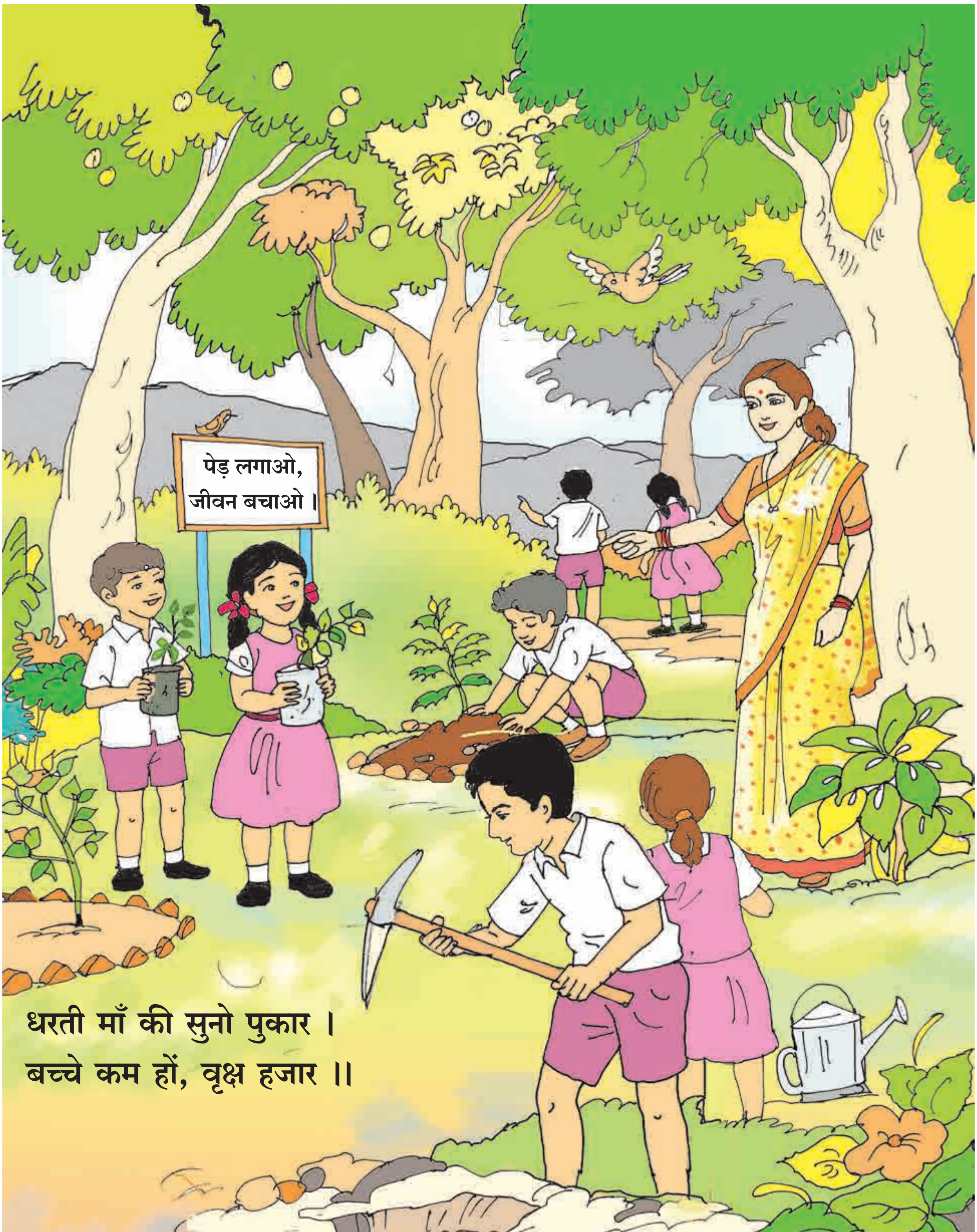

धरती माँ की सुनो पुकार ।
बच्चे कम हों, वृक्ष हजार ।।

बालगीत – सुनो, गाओ और बताओ :

– प्रयाग शुक्ल

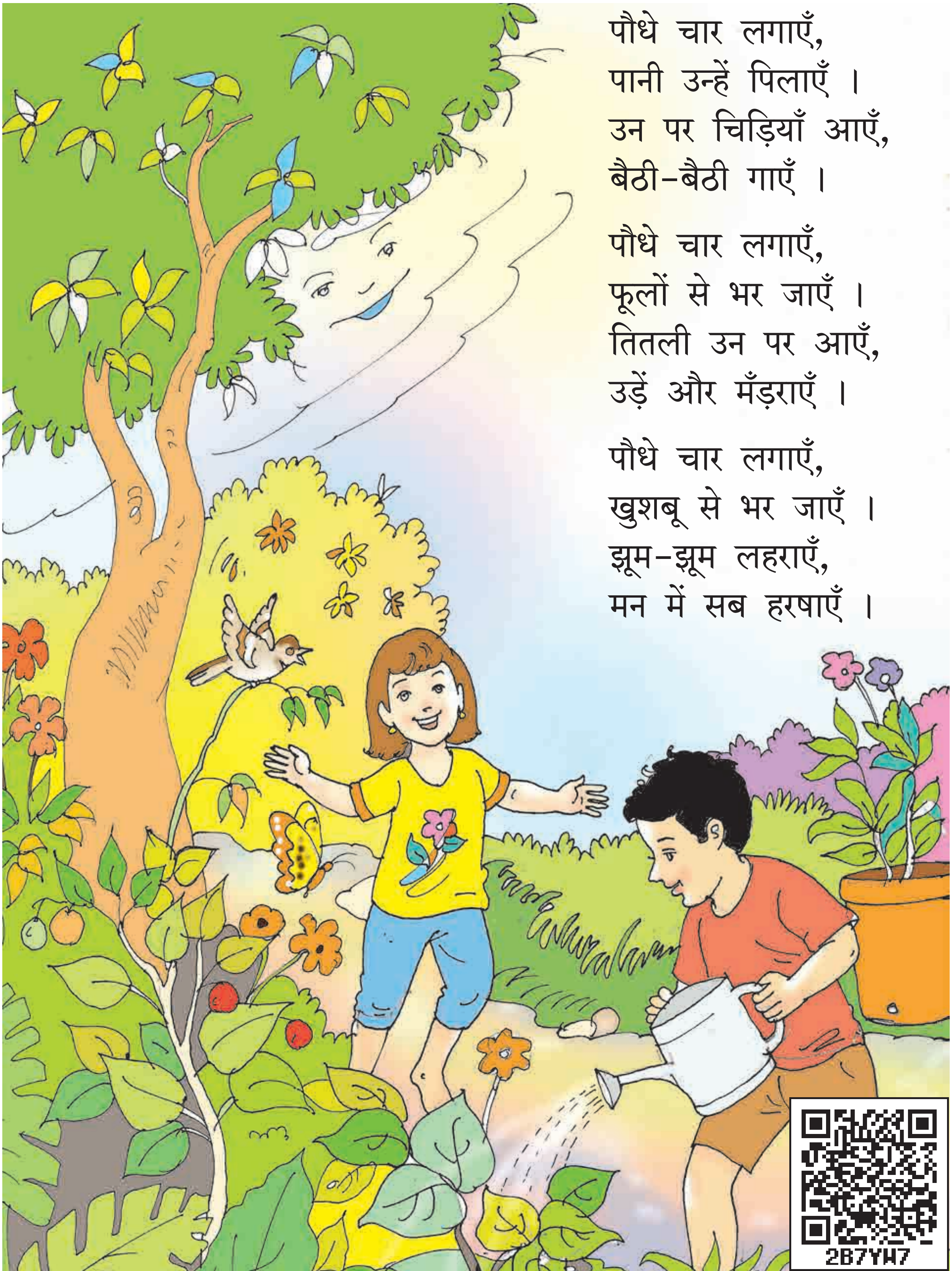

पौधे चार लगाएँ,
पानी उन्हें पिलाएँ ।
उन पर चिड़ियाँ आएँ,
बैठी-बैठी गाएँ ।

पौधे चार लगाएँ,
फूलों से भर जाएँ ।
तितली उन पर आएँ,
उड़ें और मँड़राएँ ।

पौधे चार लगाएँ,
खुशबू से भर जाएँ ।
झूम-झूम लहराएँ,
मन में सब हरषाएँ ।

२. पैसे

चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :

श्रवण – सुनो और दोहराओ :

यमुना गायन थकान साथ मिसळ मलयाळम एकांत आएगा ऐरावत ऐब

सिक्का चिल्लर चूड़ियाँ बिंदी ए टी एम गुल्लक थैली दुपट्टा नोट रुपया पगड़ी जूड़ा

खुशी और आनंद रोज बचत करते हैं ।

सामान खरीदने के लिए पैसा चाहिए ।

पैसा मेहनत करने से मिलता है ।

हम ए टी एम, बैंक से पैसे निकालते हैं ।

कृपया चिल्लर पैसे दीजिए ।

पैसे गिनकर देने-लेने चाहिए ।

अपने गुल्लक में रोज पैसे जमा करो ।

अनुरेखन – देखो और पेंसिल फिराओ :

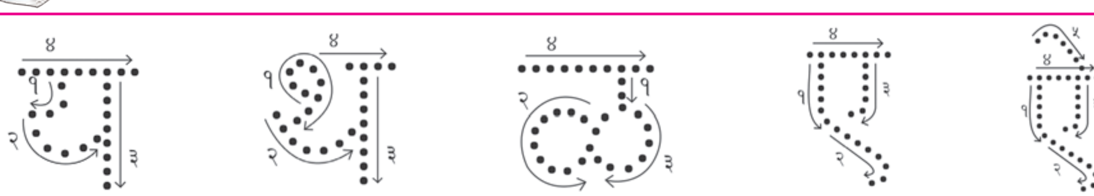

भाषण–संभाषण – पहचानो और बोलो : ए ऐ

वाचन – पढ़ो :

नया थाली तनु जूता तेल कुलू बैल कृपया आएगा तमिळ ऐबक

एकता थैला ला । आकृति, कोमल आ । चलते–चलते माया आई ।

कला ऐनक ला । जय–विजय आए । एकनाथ एक आम ले आ ।

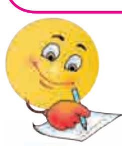

लेखन – देखो, मिलाओ और चौखट में उचित संख्या लिखो :

	= ₹ ☐		= ₹ ☐
	= ₹ ☐		= ₹ ☐
	= ₹ ☐		= ₹ ☐
	= ₹ ☐		= ₹ ☐
	= ₹ ☐		= ₹ ☐

अनुरेखन – देखो, पेंसिल फिराओ और पढ़ो : ए ऐ

ऐब एकल थैला तमिळ कैकेयी

2BGUXU

३. रोबोट और आकार

चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :

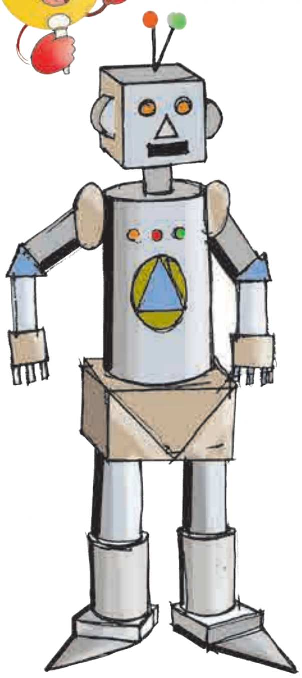

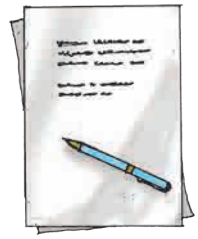
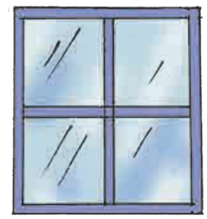

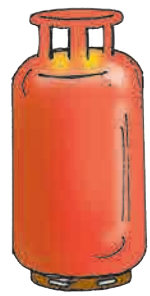

श्रवण – सुनो और दोहराओ :

रमेश कैरम सपेरा पारस शेखर शक्कर आकाश खजाना चौखट ओर औसत
रोबोट आकार गोल चूड़ी आयत चौकोन समोसा बेलन आकाशदीप गुब्बारा आइसक्रीम

खुशी और आनंद रोबोट देखकर चर्चा कर रहे हैं ।

रोबोट एक यंत्रचलित मानव है ।
रोबोट अचूक काम करता है ।
यह रिमोट से चलता है ।
रोबोट बोलता भी है ।
रोबोट खेलता भी है ।
यह मनुष्य के काम कर सकता है ।
यह कम समय में अधिक काम करता है ।
यह मनुष्य की सूचना के अनुसार चलता है ।

अनुरेखन – देखो और पेंसिल फिराओ :

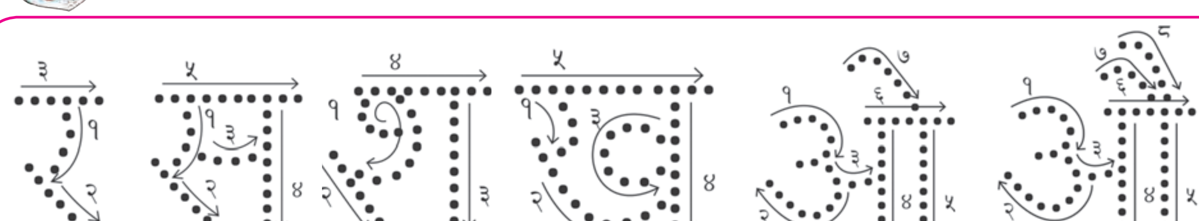

भाषण–संभाषण – पहचानो और बोलो :

ओ ो औ ौ

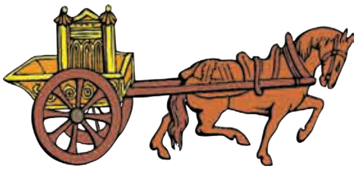 र 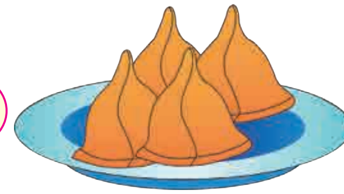 स श

ख ओ 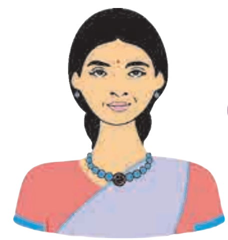 औ

वाचन – पढ़ो :

ओस जैसे शोर औरत कृपाण सरौता खुशबू पिचकारी मातृभूमि

शुभम शोर मत कर । सौरभ सिलाई कर । खुशी खीरा खा ।

शीला सामने आ । शौनक सात लिखो । गौरी खेलने चल ।

लेखन – समझो और लिखो : (चित्रों का निरीक्षण करो और उनके नाम बताओ । शब्द सुनो और समान ध्वनि पहचानो ।)

रस्सी ......

आसन 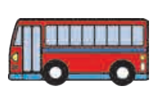 ......

शहद रोशनी ......

अखबार ......

ओस ओढ़नी ......

औसत छुआछुऔवल ......

अनुरेखन – देखो, पेंसिल फिराओ और पढ़ो : ओ ो औ ौ

और मातृ सुलू ओखली चौकोर

2BQQZH

५. झंडा

चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :

श्रवण – सुनो और दोहराओ :

इडली झुंड दिराङ मङरू जोड़ कड़ाही कड़क झरना अंडा प्रातः सुअंब झंडा
सलामी वृक्ष बैसाखी साड़ी वृद्ध पुरुष महिलाएँ आँगन चबूतरा दिव्यांग

आनंद और खुशी वृद्धाश्रम गए हैं ।

वृद्धाश्रम में वृद्ध लोग ही रहते हैं ।
वृद्धाश्रम पताकाओं से सजा है ।
फूलों से रंगोली बनाई गई है ।
ध्वजारोहण का कार्यक्रम मनाया जा रहा है ।
विद्यार्थी और शिक्षक भी आए हैं ।
सभी झंडे को सलामी दे रहे हैं ।
ध्वजारोहण में दिव्यांग भी शामिल हैं ।
वृद्धाश्रम का परिसर सुंदर है ।

अनुरेखन – देखो और पेंसिल फिराओ :

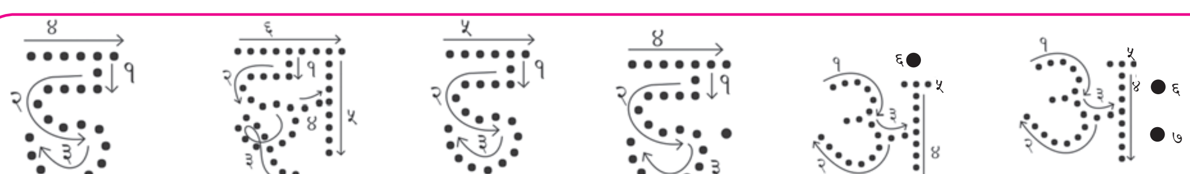

भाषण संभाषण– पहचानो और बोलो :

अं ◌ं अः ◌ः

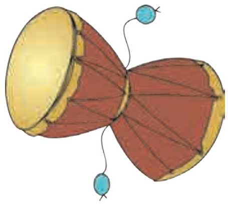
ड

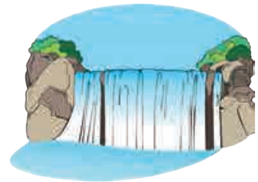
झ

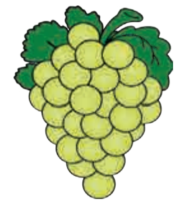
अं

ड़

ङ

अः

वाचन– पढ़ो :

झेंप झुंड झूला डोली खंडवा तवाङ पापड़ झरना झिझक पगड़ी अंततः
डंका डौंडी डीलडौल पतङ्ग अङ्ग अतः पंच संत घंटी

संगीता कंगन रख । अंबर मंजन कर । पंकज पापड़ ला ।
अंगद डंडा पकड़ । संजय पंखा चला । सुनीति रंगोली में रंग भर ।

लेखन – समझो और लिखो : (चित्रों का निरीक्षण करो और उनके नाम बताओ । शब्द सुनो और समान ध्वनि पहचानो।)

डलिया ......

जोड़ना ......

झबला ......

कंदील जंजीर ......

अंततः अतः ......

अनुरेखन– देखो, पेंसिल फिराओ और पढ़ो : अं ◌ं अः ◌ः

मंजिल रंगोली अंततः सुंदर बैरंग कौंतेय

2BZH25

वाक्य – पहचानो, सुनो और बताओ :

५. मेरी पहचान

मैं आँख से देखती हूँ ।

मैं कान से सुनती हूँ ।

मैं नाक से सूँघता हूँ ।

हमारे शरीर के अंग

मैं जीभ से स्वाद लेता हूँ ।

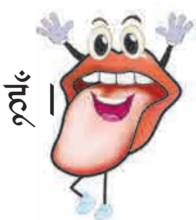

मैं हाथ से लिखती हूँ ।

मैं पैरों से चलता हूँ ।

आकलन – जोड़ियाँ मिलाओ :

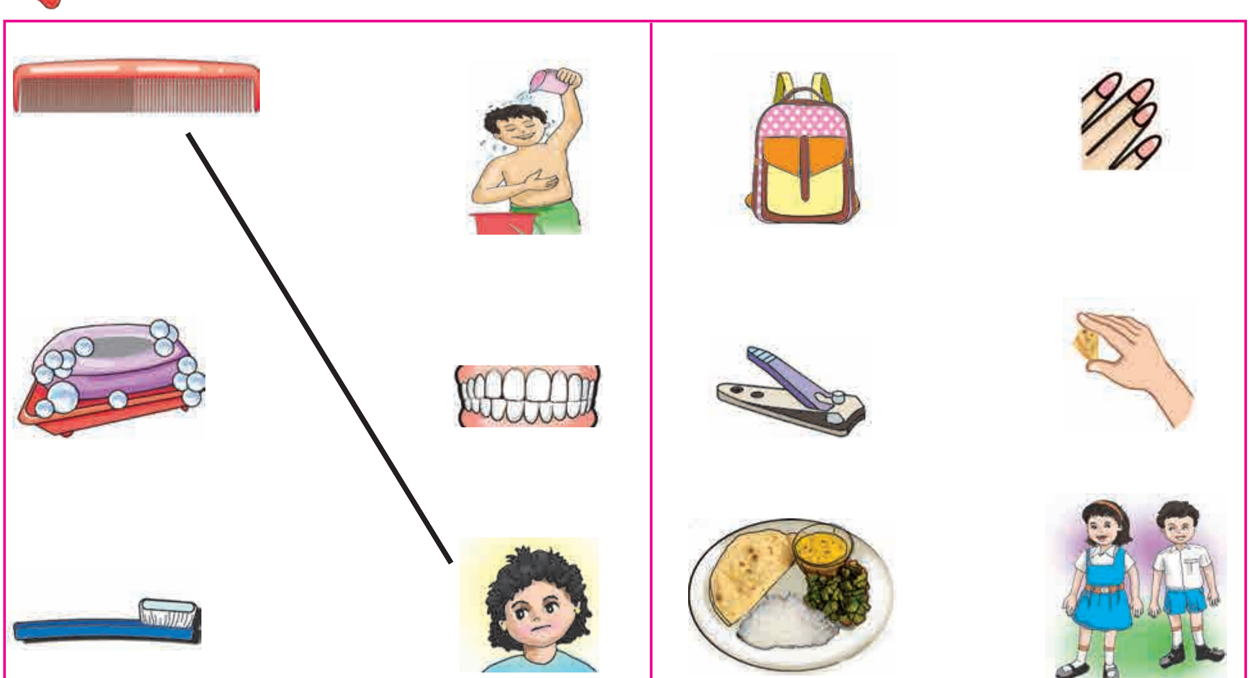

लयात्मक वाक्य– सुनो और दोहराओ :

प्रातः जल्दी उठते हम ।

दाँत सफाई करते हम ।

सैर सपाटा करते हम ।

मलकर रोज नहाते हम ।

नित पाठशाला जाते हम ।

खेल–खेल में पढ़ते हम ।

मिलजुल खाना खाते हम ।

लौटें, मौज मनाते हम ।

नित गृहकार्य करते हम ।

खा–पीकर सो जाते हम ।

2C9I3S

६. माँ

चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :

श्रवण – सुनो और दोहराओ :

टमटम मटर ठठेरा पैठणी ढलान पंढरपुर बाढ़ पढ़ना चाँद दाढ़ आँगन झाड़ी रैकेट फुटबॉल सड़क दुकान साड़ी चोटी मंगलसूत्र विज्ञापन पहिया गेंद कार

यह खुशी और आनंद की माँ है ।

दोनों अपनी माँ से बहुत प्यार करते हैं ।
दोनों माँ के साथ बाजार गए थे ।
आनंद ने बाजार से बॉल खरीदा ।
खुशी ने रैकेट खरीदी ।

दोनों खिलौने पाकर खुश हैं ।
बाजार अनेक वस्तुओं से सजा था ।
तीनों पैदल घर की ओर चल पड़े ।
खुशी ने माँ का हाथ पकड़ा था ।

अनुरेखन – देखो और पेंसिल फिराओ :

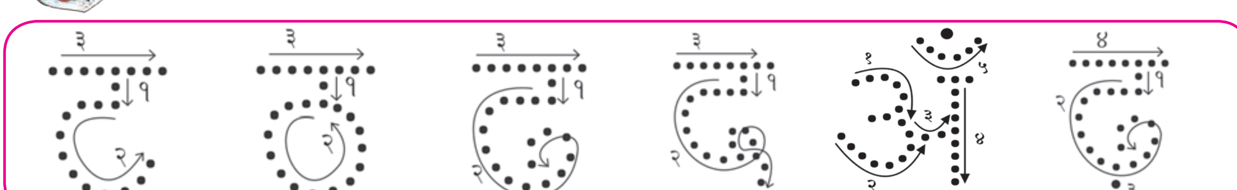

भाषण-संभाषण - पहचानो और बोलो :

अँ ँ

ट

ठ

ढ

द

अँ

ढ़

वाचन - पढ़ो :

ठाट ढलान टेढ़ा मैथिली सुदूर ठंडा यामिनी अँगड़ाई चाँद भौगोलिक

चाँदनी चमचा उठा । दृष्टि टमाटर ला । टोकरी में टमाटर रख ।
आँचल दाँत साफ कर । ढोल ढमढम बजा । पूजा पराँठा बना ।

लेखन - समझो और लिखो : (चित्रों का निरीक्षण करो और उनके नाम बताओ । शब्द सुनो और समान ध्वनि पहचानो ।)

टहनी			......		बादल	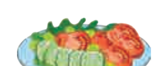	......
	गठरी		......	पढ़		गढ़	......
		ढमाढम	......		लहँगा		......

अनुरेखन - देखो, पेंसिल फिराओ और पढ़ो : अँ ँ

ढेर पौढ़ना दैनिक जुझारू अँगुलियाँ

2CIE5F

७. हॉकी

चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :

श्रवण – सुनो और दोहराओ :

घटना मेघना धवल सुगंध छलाँग पूँछ हरमीत नैहर ऑन ऑटो कॉपी
बैडमिंटन चिड़िया खिलाड़ी कैरम कबड्डी हॉकी गेंद लड़के लड़कियाँ समूह दर्शक

खुशी और आनंद को खेल पसंद हैं ।

मैदान पर कबड्डी का खेल जारी है ।
दर्शक खेल देख रहे हैं ।
कैरम घर में खेला जाने वाला खेल है ।
कुछ बच्चे हॉकी खेल रहे हैं ।
जॉन और नरगिस कैरम खेल रहे हैं ।
रानी और हर्ष कैरम का खेल देख रहे हैं ।
हॉकी और कबड्डी मैदानी खेल हैं ।
रिंकी कबड्डी-कबड्डी बोल रही है ।

अनुरेखन – देखो और पेंसिल फिराओ :

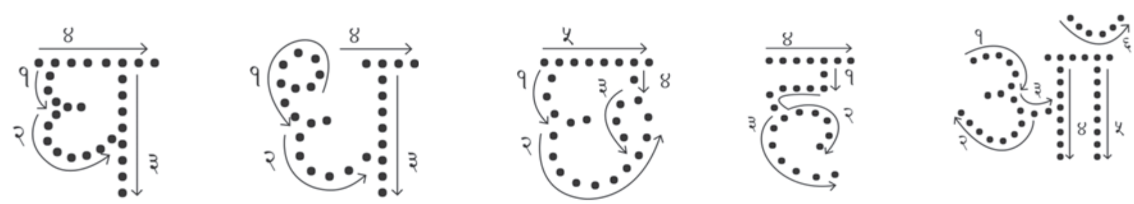

भाषण–संभाषण – पहचानो और बोलो : ऑ ॅ

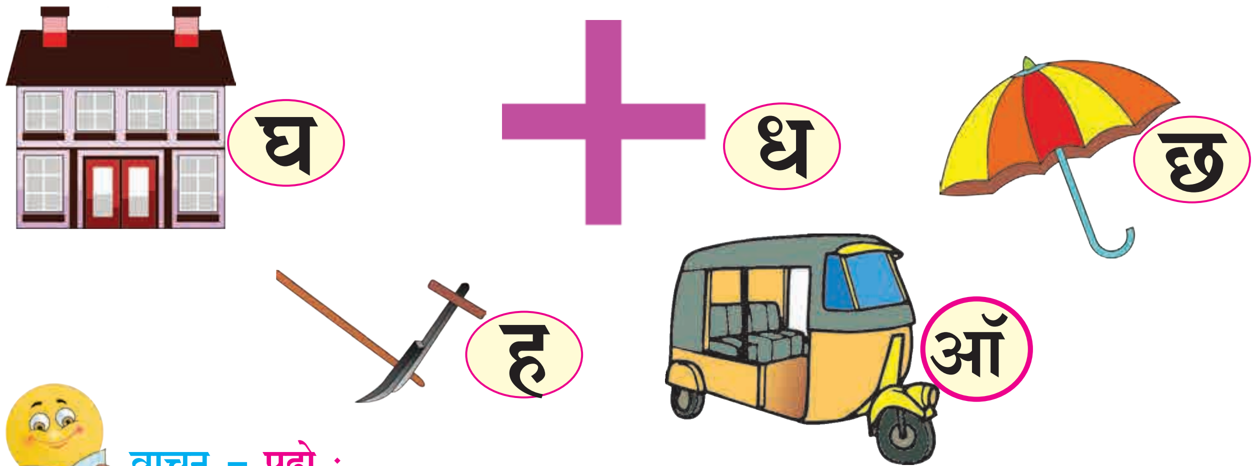

वाचन – पढ़ो :

पुनःऑटो दौड़ो वैदेही धनिया छलाँग दुरूह घूँघट छिपकली हलवाई

आरुषि गिलहरी देख ।
महक चॉकलेट मत खा ।
रौनक ऑटो से उतर ।
अदिति ऑफिस गई ।

धीरज हलवाई की दुकान से हलवा ला।
छगन हलचल मत कर।
नूपुर घुड़दौड़ देखकर लौट ।
कॉलोनी में सब मिलजुलकर रहते हैं ।

लेखन – समझो और लिखो : (चित्रों का निरीक्षण करो और उनके नाम बताओ । शब्द सुनो और समान ध्वनि पहचानो।)

घुँघरु ......

धतूरा ......

ऑफिस ऑक्सीजन ......

महल १२ ......

छड़ी ......

अनुरेखन – देखो, पेंसिल फिराओ और पढ़ो : ऑ ॅ

घरौंदा ऑगन खिचड़ी मुँह नौरोज

2CSA73

८. श्रमदान

चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :

श्रवण – सुनो और दोहराओ :

अक्षर क्षति पात्र क्षेत्र सर्वज्ञ अज्ञेय मिश्रण श्रोता नक्षत्र जयश्री यात्रा श्रेय ज्ञानोदय दक्षिण
झाड़ू वृक्ष कुत्ता पगड़ी स्वच्छता खिड़की दरवाजा औरत आदमी छत पत्थर गाय कपड़े

गाँव में स्वच्छता के लिए खुशी और आनंद आए हुए हैं ।

खुशी कूड़ा ले रही है ।
आनंद झाड़ू लगा रहा है ।
बच्चे कूड़ेदान में कचरा डाल रहे हैं ।
स्वच्छ गाँव–निर्मल गाँव ।

लोग श्रमदान कर रहे हैं ।
श्रमदान श्रेष्ठदान है ।
गाँव प्रदूषण मुक्त करें ।
गाँव का विकास, देश का विकास ।

अनुरेखन – देखो और पेंसिल फिराओ :

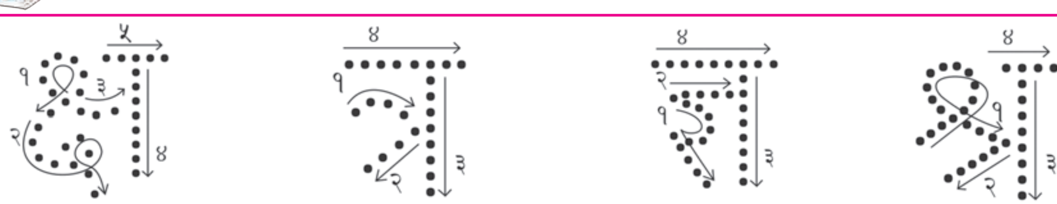

भाषण-संभाषण – पहचानो और बोलो :

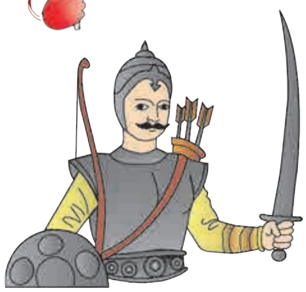

क्ष

त्र

ज्ञ

श्र

वाचन – पढ़ो :

मित्र क्षेत्र मैत्री श्रम श्रोता श्रीमान त्रिजटा अज्ञेय ज्ञानेश वैज्ञानिक
पक्षी दीक्षा मिश्रित श्री मैत्रेयी अक्षय त्रिवेणी श्रावणी नौरात्रि भिक्षुक

सादा जीवन, ऊँचे विचार ।
लड़का-लड़की एक समान ।
नेत्र दान, श्रेष्ठ दान ।
साइकिल चलाओ, ईंधन बचाओ ।

बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ ।
अपनी रक्षा अपने आप ।
साक्षर परिवार, सुखी परिवार ।
जय जवान, जय किसान ।

लेखन – समझो और लिखो : (चित्रों का निरीक्षण करो और उनके नाम बताओ । शब्द सुनो और समान ध्वनि पहचानो ।)

ज्ञानेश्वर ......

मिश्रण ......

क्षयरोग रक्षक

......

१७ त्रिनेत्र मित्र ......

अनुरेखन – देखो, पेंसिल फिराओ और पढ़ो :

अक्षय त्रिवेणी श्रावणी नौरात्रि भिक्षुक

2D268Q

कृति – सुनो, समझो और करो :

९. कागज की थैली

कागज	रंग–बिरंगी पेंसिलें	गोंद	रस्सी	रंग–बिरंगे बटन
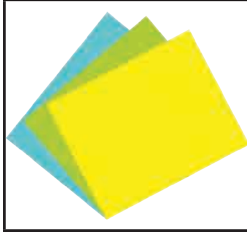			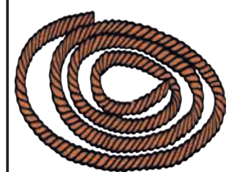	

घरेलू अनुपयोगी चीजों से कागज की थैली तैयार करना ।

सामग्री : **कागज, रंग– बिरंगी पेंसिलें, गोंद, रस्सी, रंग–बिरंगे बटन, टोचा**

कृति :
१. अपनी रुचि के आकार का कागज लो ।
२. कागज को बीच से मोड़ो ।
३. कागज को ऊपर–नीचे से थोड़ा–थोड़ा मोड़ो ।
४. कागज के ऊपर–नीचे मोड़े हुए भाग को गोंद से चिपकाओ ।
५. बड़ों की सहायता से अब कागज के खुले भाग में छेद करो । (टोचे की सहायता से)
६. छेद में रस्सी डालकर अंदर की ओर गाँठ बाँधो ।
७. अब सजावट के लिए चारों कोनों तथा बीच में बटन चिपकाओ ।
८. तैयार कागज की थैली पर सामने के भाग में अपना नाम लिखो ।

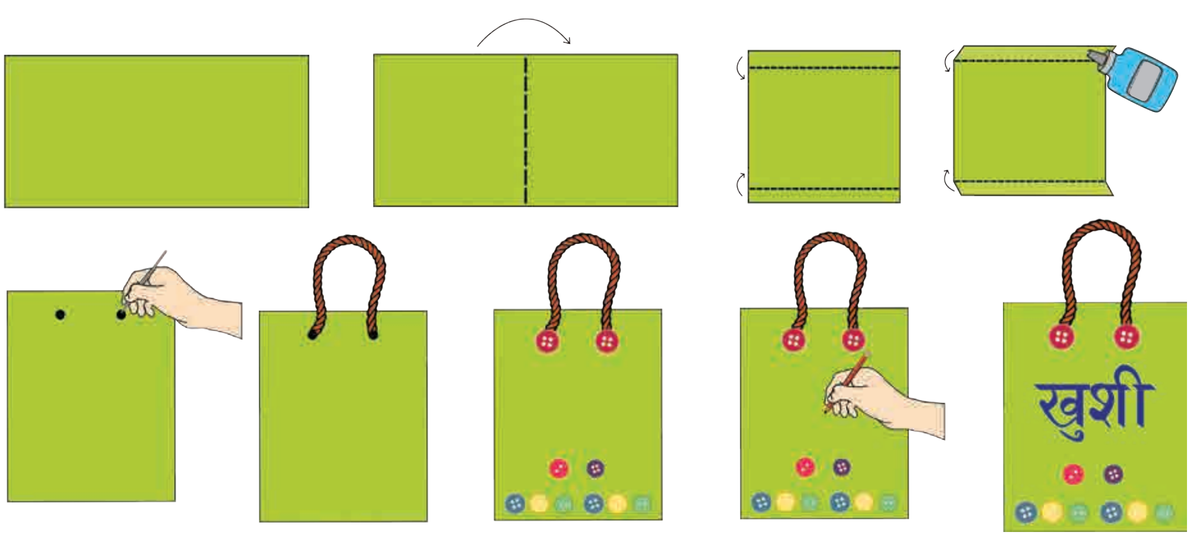

✻ अभ्यास–३

कृति– रिक्त स्थान भरो :

अ			ई			ऋ
ए		ओ				अँ / ऑ
x	क				ङ	x
x	x	च				ञ

ट						ढ़
x	त				न	x
x	प		ब		म	x
x	x	य			व	x

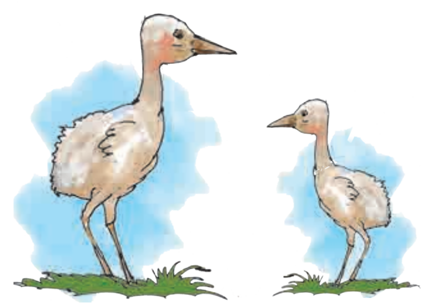

x	श				ळ	x
x	x	क्ष			श्र	x

लेखन– वर्णमाला क्रम से लिखो :

खरगोश, अपने बिल तक कैसे पहुँचेगा, उसे उँगली से दिखाओ :

* पुनरावर्तन – १

१. सुनो और बार–बार बोलो :

(१) कच्चा पापड़ –पक्का पापड़ ।
(२) चाचा ने चाची को चाँदी के चम्मच से चटनी चटाई ।
(३) खड़कसिंह के खड़कने से खड़कती हैं खिड़कियाँ । खिड़कियों के खड़कने से खड़कता है खड़कसिंह ।
(४) समझ–समझ के समझ को समझो, समझ समझना भी एक समझ है । समझ, समझ के भी जो न समझे, मेरी समझ में वह नासमझ है ।

२. बताओ :

(१) तुम्हारे पिता जी क्या करते हैं ?
(२) हमें पानी की बचत क्यों करनी चाहिए ?
(३) फल कहाँ लगते हैं ?
(४) तुम पढ़ाई कब करते हो ?
(५) तुम पाठशाला कैसे जाते हो ?

३. शब्द पढ़ो :

अब तब तन मन कनक भनक नयन चयन झटपट नटखट एकदम
गपशप अनशन सरगम शलगम बचपन खटमल सरपट अकबर जबतक
जगमग पचपन मखमल कटहल डगमग अचरज क्षणभर धड़कन अजगर

४. चित्र देखकर उनके नाम लिखो :

....

....

.... 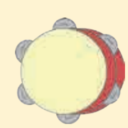 ....

....

• श्रुतलेखन :

पचपन मखमल कटहल अदरक खटमल डगमग आगमन आचमन
अचकन अचरज अनपढ़ धड़कन अजगर क्षणभर रखकर भगवान

• उपक्रम : अपनी पसंद के विभिन्न चित्र एकत्र करके प्रदर्शन फलक पर चिपकाओ ।

पूर्वानुभव – सुनो और बताओ :

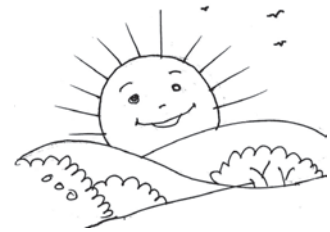

✻ सप्ताह के दिन

– राजदेव बी. यादव

हँसते–हँसते सोमवार से
सप्ताह शुरू कर जाएँगे ।

मंगलवार को खेल–खेल में
सभी काम कर पाएँगे ।

बुधवार को बड़ी सुबह ही
पौधों को नीर पिलाएँगे ।

गुरु की महिमा गुरुवार को
सब को प्रणाम कर आएँगे ।

खेल–कूद और योग करेंगे
दिन शुक्रवार मनाएँगे ।

आधा दिन है शनिवार को
माँ का हाथ बटाएँगे ।

रविवार तो छुट्टी लाया
मिलकर धूम मचाएँगे ।

चित्रवाचन– देखो, समझो और बताओ :

१. मेला

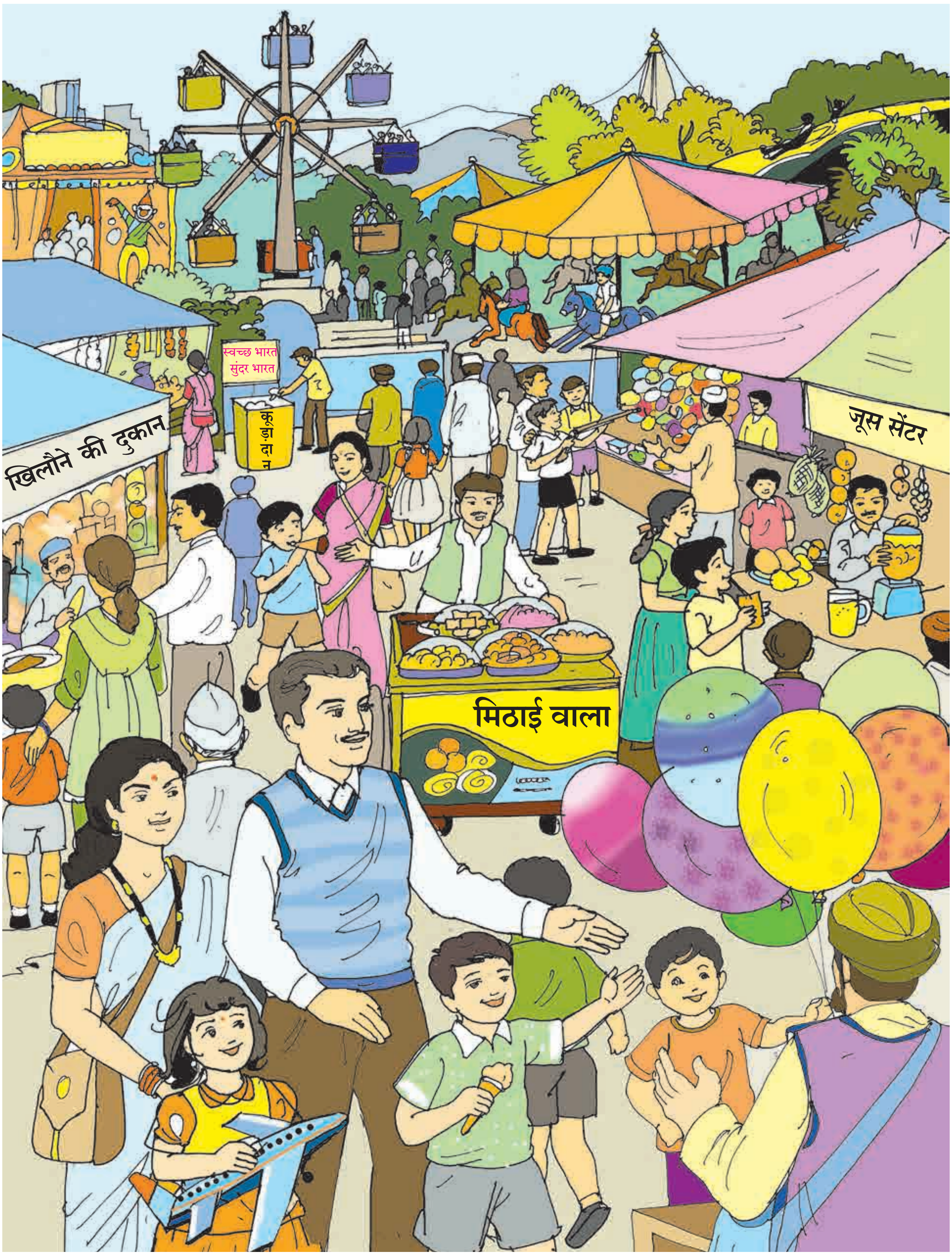

कविता – सुनो, गाओ और दोहराओ :

– रमेश थानवी

मेरे गाँव लगा था मेला,
उसमें आया चाट का ठेला ।
हमने जाकर खाई चाट,
ऐसे थे मेले के ठाट ।

मेरे गाँव लगा था मेला,
उसमें आया झूलेवाला ।
जिसने हमें झुलाये झूले,
मन में नहीं समाए फूले ।

मेरे गाँव लगा था मेला,
आया एक खिलौनेवाला ।
लाए जाकर चार खिलौने,
रंग-बिरंगे बड़े सलोने ।

मेरे गाँव लगा था मेला,
हमने खाया जी भर केला ।
गुड़िया, गुनगुन दोनों साथ,
छोटे ने पकड़ा था हाथ ।

2DB2AD

कविता – पढ़ो और हाव–भाव के साथ गाओ :

२. फलों की दुनिया

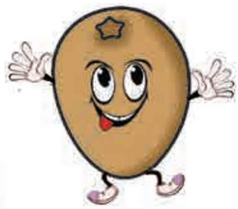
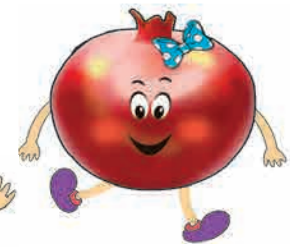

आओ चलें फल के बाजार,
चीकू, केला, बेर, अनार ।

नाजुक शहतूत के नखरे चार,
संतरे, मोसंबी की आई बहार ।

हापुस, लँगड़ा और दसारी,
फलों का राजा सब पर भारी

बेल, सेब और खरबूजा,
हरा–भरा देखो तरबूजा ।

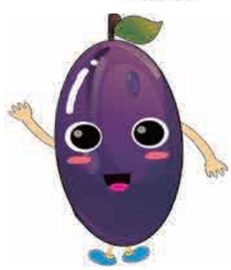

अंगूरों की बात निराली,
जामुन की है सूरत काली ।

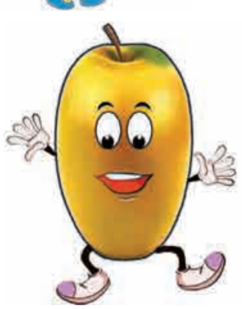

सीताफल, अमरूद, पपीता,
अंजीर, कीवी हुए सुभीता ।

हर मौसम के फल तुम खाओ,
फलों से ताकतवर तन पाओ ।

लेकिन यह ना कभी भुलाना,
साग, रोटी, दाल भी खाना ।

वाचन – पढ़ो, समझो और बताओ :

बहुत पहले की बात है । बड़हल अपने बड़े भाई कटहल के साथ अपने ननिहाल मिठासपुर गया । शाम का समय था । शहतूत, करौंदा, अंजीर, रामफल, बेल, चेरी आदि फल कबड्डी खेल रहे थे । बड़हल-कटहल को देख सभी फल हँसने लगे और तन के कांटे देखकर मुँह बनाने लगे ।

फलों के राजा आम को किसी के रंग-रूप-आकार का मजाक बनाना पसंद नहीं था । आम ने कहा, ''तुम सब इन दोनों के साथ कबड्डी क्यों नहीं खेल लेते ?'' फिर क्या था । सभी फल एक तरफ खड़े हो गए । दूसरी तरफ बड़हल और कटहल ।

कटहल कबड्डी-कबड्डी करते उनके दल में गया । सभी फल एक साथ कटहल को पकड़ने दौड़ पड़े । कटहल ने बड़े आराम से जमीन पर लुढ़ककर गुलाटी मारी । ये क्या ? शहतूत, करौंदा, बेल, अंजीर चेरी सब दबकर चिल्ला पड़े । कटहल कबड्डी-कबड्डी बोलते खरबूजा, पपीता, रामफल,मोसंबी को धकियाते-गिराते पाले से जा लगा। सभी फलों के मुँह लटक गए ।

आम ने सबको समझाया कि कोई अपने रंग-रूप, आकार से नहीं बल्कि अपने गुणों के कारण जाना जाता है । मानव कटहल और बड़हल का फल खाता है। इसका सिरका, अचार और सब्जी भी बनती है । इसके फूलों की खुशबू मीलों तक महकती है।'' सभी फलों को आम की बात बहुत पसंद आई । सभी एक-दूसरे के मित्र बन गए ।

३. सब्जियाँ

चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :

(पाई ‘।’ हटाकर जुड़ें हम)

श्रवण – सुनो और दोहराओ :

शत्रुघ्न भक्ष्य कुत्ता तथ्य मध्य मुन्ना प्याला सम्मान अय्यर ज्योति काव्या पत्थर
बच्चा चम्मच लस्सी उल्लू चूल्हा सब्जी चप्पल ग्वाला अच्छा ज्वाला ग्लास

खुशी और आनंद को हरी सब्जियाँ पसंद हैं ।

चूल्हे का खाना स्वादिष्ट होता है ।
बच्चा गुब्बारे को देखकर हँसने लगा ।
कल्लू गाँव का ग्वाला है ।

काव्या चप्पल पहनो ।
मुन्ना चम्मच से खाएगा ।
उत्पल उल्लू का चित्र बना ।

अनुलेखन – पढ़ो और लिखो : (व्‌ ख्‌ च्‌ थ्‌ भ्‌ म्‌ ज्‌)

व्याख्या सच्चा पथ्य अभ्यास म्यान ज्वार

भाषण–संभाषण – पहचानो और बोलो :

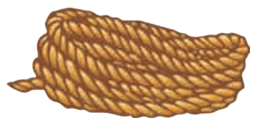

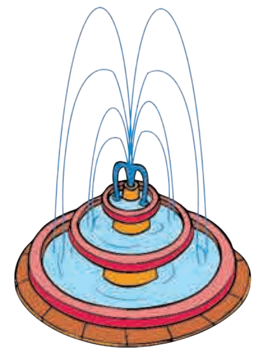

वाचन – पढ़ो :

मुख्य विघ्न ज्वार लक्ष्य त्र्यंबक तथ्य ध्यान सभ्यता खय्याम हल्दी गुब्बारा पत्ता प्याज गन्ना ग्यारह रस्सी चश्मा फव्वारा दिव्य पुष्प

घनश्याम पत्ता तोड़कर लाओ ।
अम्मा ने सब्जी में प्याज डाला ।
पुष्पा चश्मा लगाकर पढ़ो ।
कृष्णा गुब्बारा खरीदकर लाओ ।

कल्पना रस्सी पकड़ो ।
ज्योति फव्वारा देखो ।
सौम्या गन्ना तोड़कर लो ।
अख्तर अंकों में ग्यारह लिखो ।

आकलन – समझो और करो :

कत्था	अ···छा	सं···या	···वाला
···यान	···याला	च···मच	ह···दी
मु···ना	वि···व	पु···प	अ···यास
स···जी	फ···वारा	···याही	
···यंबक	शत्रु···न	अक्षु···ण	

2DTTDN

४. पाठ्‌यपुस्तक

चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :

(हल ‘्’ लगाकर जुड़ें हम)

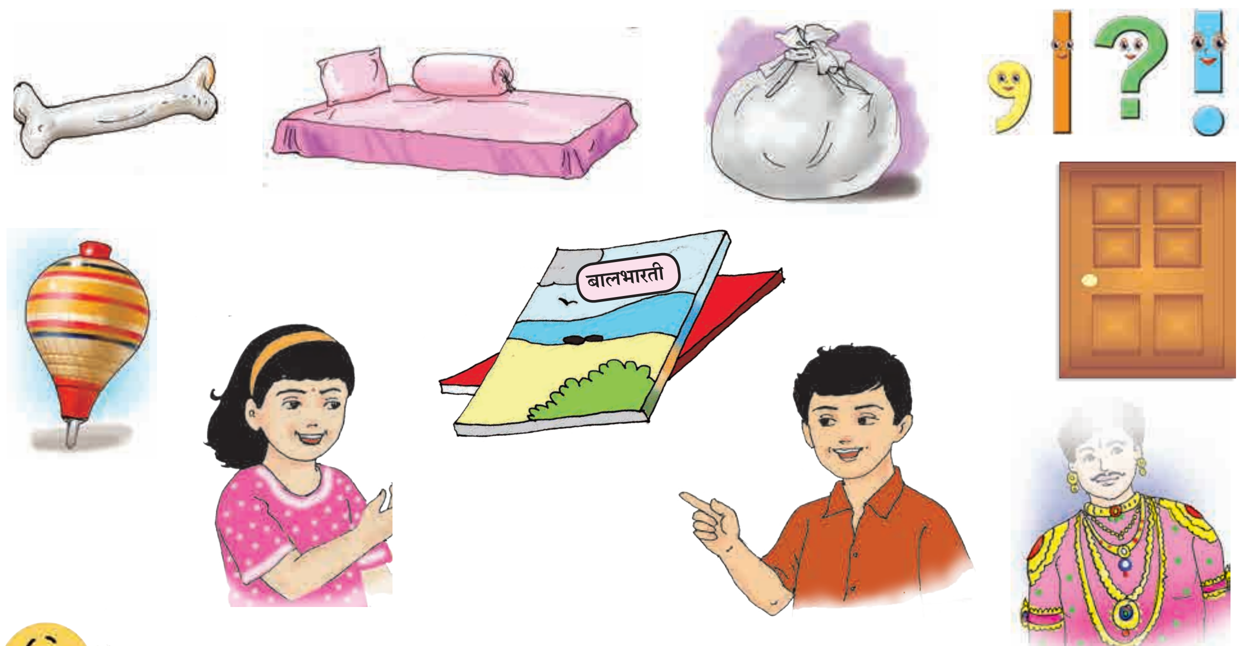

श्रवण – सुनो और दोहराओ :

खट्‌टी चट्‌टान गट्‌ठा पाठ्‌यक्रम पाठ्‌यवस्तु गुड्‌डा गड्‌ढा उद्‌यान उद्‌देश्य प्रह्‌लाद ब्रह्‌मा हड्‌डी गद्‌दा कपड़े का गट्‌ठा विरामचिह्‌न लट्‌टू पाठ्‌यपुस्तक द्‌वार धनाढ्‌य बाह्‌य मट्‌ठा

खुशी और आनंद पाठ्‌यपुस्तक पढ़ रहे हैं ।

किट्‌टू हड्‌डी का चित्र बनाओ ।
श्रद्‌धा उद्‌यान में लट्‌टू घुमाओ ।
विद्‌या द्‌वार पर खड़ी है ।
पप्पा गद्‌दा बिछा दो ।
चंपा विरामचिह्‌न पहचान ।
श्याम कपड़े का गट्‌ठा लेकर जा रहा है ।

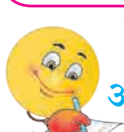

अनुलेखन – पढ़ो और लिखो : (ट्‌ ठ्‌ ड्‌ ढ्‌ द्‌ ह्‌)

दुपट्‌टा कबड्‌डी बलाढ्‌य सिद्‌धि असह्‌य

भाषण–संभाषण – पहचानो और बोलो :

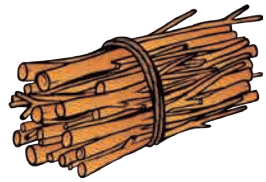

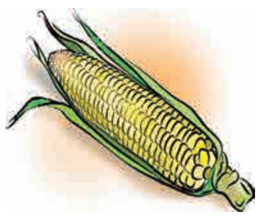

वाचन – पढ़ो :

छुट्‌टी पाठ्‌य गुड्‌डी वाङ्‌मय धनाढ्‌य गिद्‌ध उच्छ्‌वास असह्‌य लड्‌डू गट्‌ठर कद्‌दू चिह्‌न भुट्‌टा पाठ्‌येतर साहित्य बलाढ्‌य गड्‌ढा अपराह्‌न

चिन्मय पाठ्‌येतर साहित्य पढ़ो ।

अद्‌वैत भुट्‌टा खा ।

आज घर पर कद्‌दू की सब्जी बनी है ।

कल्लू गट्‌ठर उठाकर चल दिया ।

अम्मी बेसन के लड्‌डू बनाओ ।

मन्नू धन का चिह्‌न पहचानो ।

आकलन – समझो और करो :

हड्‌डी	ग٠٠٠ठर	प٠٠٠टा	ग٠٠٠दा
प٠٠٠य	क٠٠٠दू	अस٠٠٠य	वा٠٠٠य
चि٠٠٠न	ग٠٠٠ढा	पा٠٠٠य	म٠٠٠ठा
त٠٠٠य	मा٠٠٠य	स٠٠٠मान	
٠٠٠वार	भा٠٠٠य	चू٠٠٠हा	

2E3PFB

आकलन – देखो, समझो और करो :

५. बचत एवं स्वच्छता

* दिए गए चौकोनों में सही चित्र को ☑ और गलत पर ☒ निशान लगाओ :

2ECKGY

वाचन– पढ़ो और लिखो :

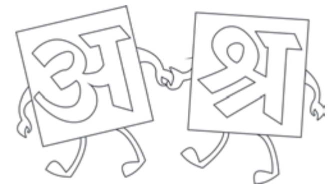

६. अ से श्र तक

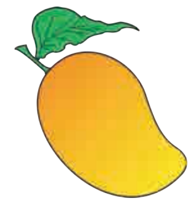

अक्षय आम चख ।

श्रवण आँख पर ऐनक पहन ।

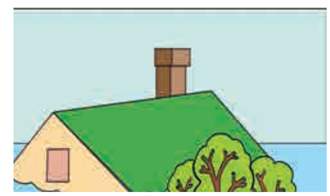

ओम ऊपर छत पर चढ़ ।

कमल झटपट औषध रख ।

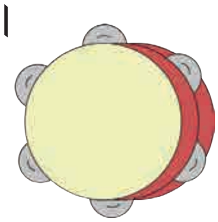

जलज डफ रख । ढम–ढम मत कर ।

शरद ठहर, फल एकत्र कर ।

बटन ऑफ कर ।

ऋषभ बड़बड़ मत कर ।

अंगद पत्र रख और इधर आ ।

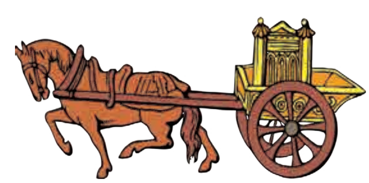

सई रथ पर चढ़ ।

करण उधर घर पर यज्ञ कर ।

अहमद अः ङ ञ ळ पढ़ ।

2ELGIL

७. गफ्फार की चक्की

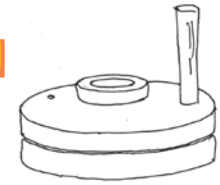

चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :

(आधे 'क' 'फ' होकर जुड़ें हम)

श्रवण – सुनो और दोहराओ :

पंक्ति मक्खन ऑक्सीजन भक्त क्यारी मुफ्त शगुफ्ता मुजफ्फर फुफ्फी गुफ्फी चक्की गफ्फार पट्टा डब्बा मक्का द्वार चक्का ढक्कन तख्ता सुक्खी स्विच

खुशी और आनंद चक्की पर गेहूँ पिसाने गए हैं ।

गफ्फार की चक्की खुली है ।
सुक्खी चक्की में आई है ।
वह डिब्बे में मक्का पिसाने लाई है ।
जफ्फार और गुफ्फी के भी डिब्बे रखे हैं ।
चक्की बिजली से चलती है ।
बिजली से चक्की का पट्टा घूमता है ।
गफ्फार का सारा ध्यान पिसाई पर होता है ।
गफ्फार हफ्ते में एक दिन छुट्टी मनाता है ।

अनुलेखन – पढ़ो और देखकर लिखो : (क् फ्–क फ)

हफ्ता मुक्ता कोफ्ता अक्का दक्खिन गिरफ्तार

भाषण–संभाषण – पहचानो और बोलो :

वाचन – पढ़ो :

वक्त टक्कर बॉक्सर क्यारी फुफ्फी गुफ्ती फुफ्फी दफ्तर
डॉक्टर रफ्तार शक्ति पद्‌मावती रद्‌दी षष्ठी ध्वनि गद्‌य बच्चा

डॉक्टर मुजफ्फरपुर गए हैं ।
समृद्‌धि रिक्शा से आई ।
फुफ्फी ने रुक्की को सिक्का दिया ।
अंजु रोटी में मक्खन लगाओ ।

अंशुल दूध में शक्कर डाल ।
चाँदनी दफ्तर में काम कर ।
गुड्डू रफ्तार से गाड़ी चलाता है ।
अंकित शक्तिशाली छात्र है ।

आकलन – समझो और करो :

चिक्की	भ···त	वा···य	म···कार	शि···त
ट···कर	र···तार	गु···फी	बा···सर	गु···ती
फुफ्फा	शगु···ता	प···का	मु···ता	प···का
पु···पा	प···टी	···योति	दि···या	ल···सी
अ···छा	च···पल	···लास	कु···ता	
ल···य	ग···ढा	गि···ली	···वार	

2EVCK9

चित्रवाचन – देखो, समझो और बताओ :

८. मेरा राज्य

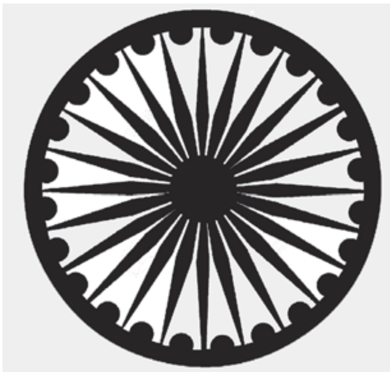

श्रवण – सुनो और दोहराओ :

ट्रक ड्रम राष्ट्रीय ट्रंक दर्पण वर्ष मिर्च अथर्व द्रव्य व्याघ्र ग्रह क्रांति पंद्रह चक्र सह्याद्रि मेट्रो पूर्णा ब्रश टॉर्च ट्रैक्टर पर्वत सर्वधर्म ट्रॉली राष्ट्र ग्रहण

खुशी और आनंद महाराष्ट्र के निवासी हैं ।

मेरा राज्य महाराष्ट्र है ।
मुंबई में मेट्रो ट्रेन दौड़ती है ।
मुंबई सर्वधर्म समभाव की द्योतक है ।
सह्याद्रि पर्वत की शृंखलाएँ फैली हैं।
मुंबई के डिब्बेवाले प्रसिद्ध हैं ।
महाराष्ट्र में अनेक पर्यटन स्थल हैं ।

अनुरेखन – देखो और पेंसिल फिराओ : (^ / ॅ)

राष्ट्र धृतराष्ट्र आचार्य सार्थक प्रवीण सुप्रिया

भाषण–संभाषण – पहचानो और बोलो :

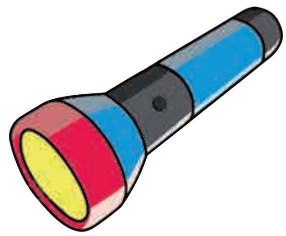

वाचन – पढ़ो :

वर्ष मेट्रो विक्रम ट्रॉली हर्षल चंद्र अर्पणा प्रकाश राष्ट्र आकर्षण
टॉर्च ब्रश ट्रैक्टर कृष्ण गजेंद्र विद्‌या गुड्‌डा शगुफ्ता विक्की

हर्ष ट्रैक्टर चलाता है ।
कोलकाता में ट्राम चलती है ।
वर्षा की पर्स अच्छी है ।
मुझे अपने राष्ट्र पर गर्व है ।

विक्रम प्रातः ब्रश करता है ।
प्रवीण कुर्सी पर बैठता है ।
अर्चना दर्जी के पास गई है ।
शौर्य बुजुर्गों को प्रणाम करता है ।

आकलन – समझो और करो :

ड्रम	राष्टीय	मेटो	टेन	सौराष्ट
हर्ष	दशन	अपण	दपण	घषण
प्रणाम	चंदमा	चक	विप	पयास
अँगूठा	छाछ	कुआ	छाव	आगन
प्रात :	अत	पुन	नम	
ऑन	आफिस	टाफी	कालनी	

2F58LH

गीत – पढ़ो और बताओ :

९. जन्मदिन

मीरा को मिल रही बधाई,
अब घर में हैं खुशियाँ छाई ।

मामा आए, मौसी आई,
साथ बुआ जी गुड़िया लाई ।

घर में बनी है खूब मिठाई,
हलवा, बरफी, रसमलाई ।

मन में विचार अनोखा आया,
मीरा ने माँ को बतलाया ।

जन्मदिन का हो ऐसा उपहार,
सब बच्चों में बाँटें प्यार ।

आँगन में इक रोप लगाएँ,
जन्मदिन कुछ ऐसे मनाएँ ।

संवाद – पढ़ो और चर्चा करो :

माँ : मीरा बेटी, जन्मदिन की बहुत–बहुत बधाई ।

मामा–मामी : मीरा यह लो । हम तुम्हारे लिए कहानी की पुस्तक लाए हैं ।

चाचा–चाची : बेटा यह लो नये कपड़े ।

बुआ–फूफा : मीरा, तुम्हें खिलौने पसंद हैं; हम बोलने वाली गुड़िया लाए हैं ।

मौसा–मौसी : हमारी तरफ से कुछ पैसे लो । इन्हें अपने गुल्लक में डाल दो ।

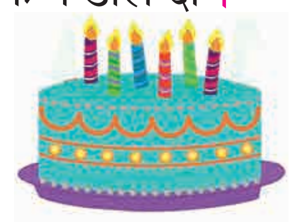

नाना–नानी : यह लो हमारी ओर से गुलाब के फूल ।

मीरा : आप सभी को धन्यवाद ।

पिता जी : आज मुझे अपनी बेटी पर बहुत गर्व महसूस हो रहा है ।

मामी : वह भला क्यों ?

माँ : हमारी बेटी ने जन्मदिन अलग ढंग से मनाने का निश्चय किया है ।

दादा–दादी : हमारी मीरा विशेष बच्चों के साथ जन्मदिन मनाना चाहती है ।

मीरा : हाँ नानी ! मेरी पाठशाला में दिव्यांग बच्चे भी पढ़ने आते हैं ।
मैं अपना जन्मदिन उन सहपाठियों के साथ मनाना चाहती हूँ ।

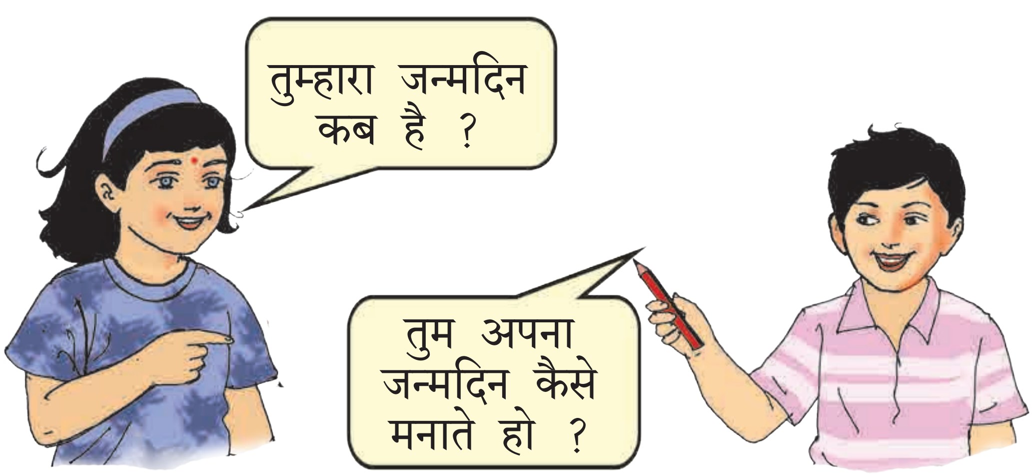

2FE4NJ

✻ अभ्यास – ३

कृति – वर्ण पहेली से सार्थक शब्द बनाओ :

गें	प	चा	न	ल	ज्ञ	गें
हूँ	त्र	व	चं	मूं	दा	ल
क	म	ल	पा	मो	ग	रा
ह	रा	गु	बा	ज	रा	ज
ल	ला	बा	घ	च	पं	मा
ब	से	वं	ती	र	ना	ख

शब्द पूर्ण करो और वाचन करके पुनः लिखो :

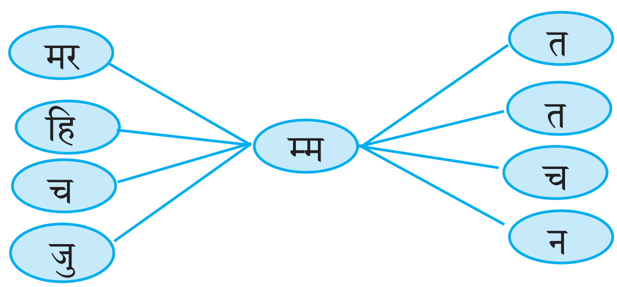

मरम्मत

. . . .

. . . .

. . . .

चित्र में दिखाए गए सजीवों को पहचानकर आगे बनी चौखट में √ का निशान लगाओ ।

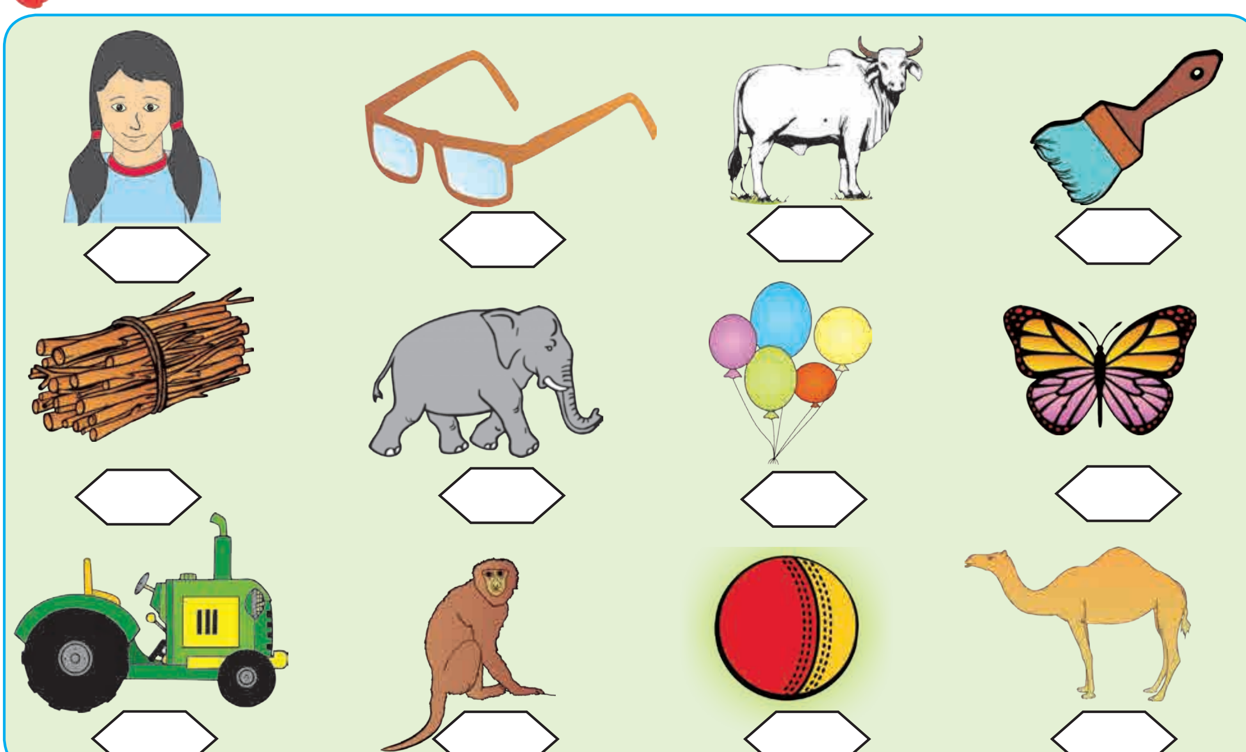

सोचो – समझो और लिखो :

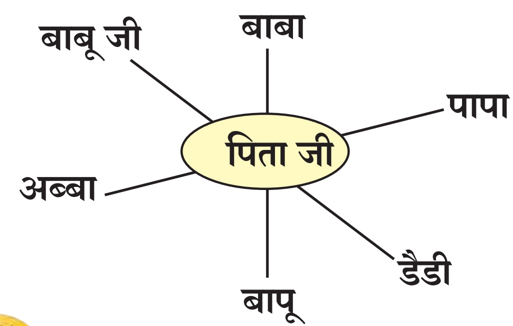

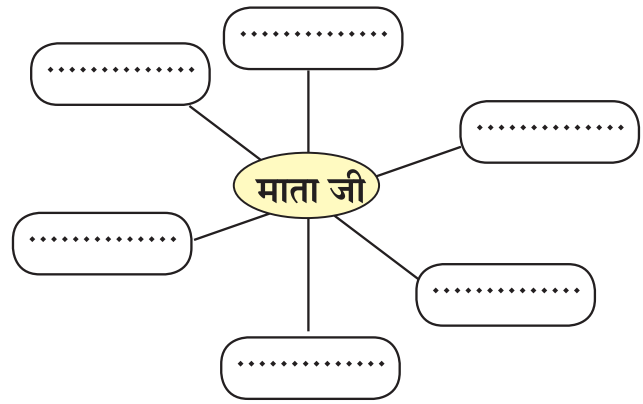

आकलन – चित्र देखकर शब्द भरो :

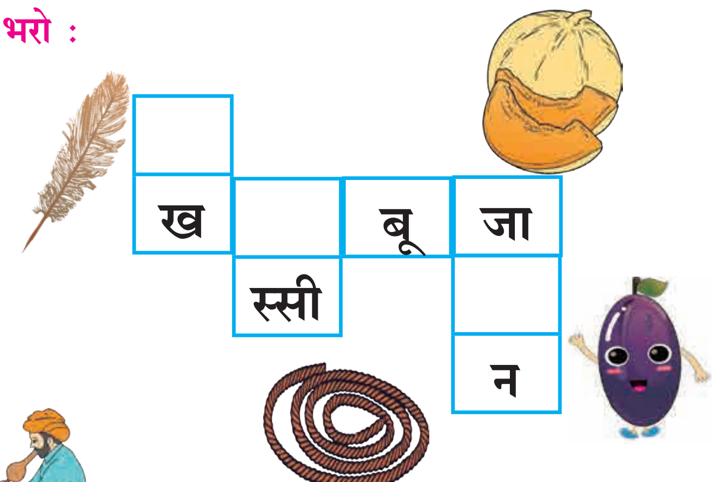

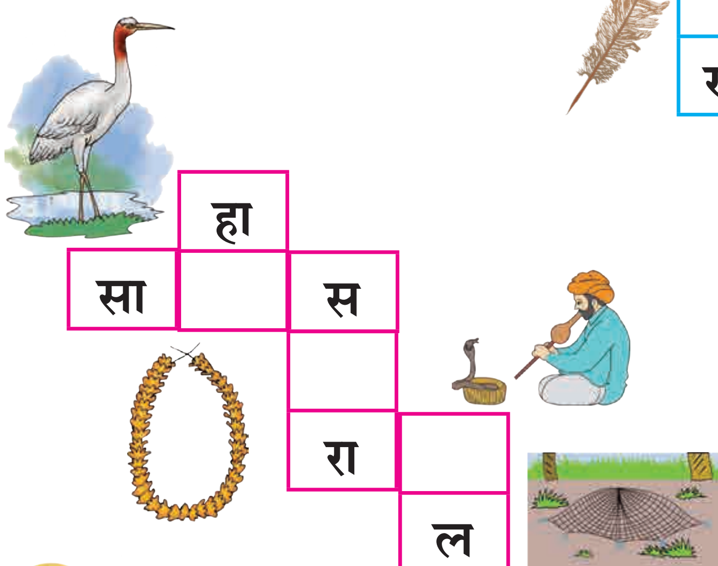

आकलन – उचित शब्द बनाकर लिखो :

(१) नी पा – पानी
(४) ल व चा – ....
(७) ला शा ठ पा – ....
(२) ध दू – ....
(५) क म न – ....
(८) र ज अ ग – ....
(३) ल ढा – ....
(६) ना प स – ....
(९) वा द र जा – ....

साँप, अपने बिल तक कैसे पहुँचेगा, उसे उँगली से दिखाओ ।

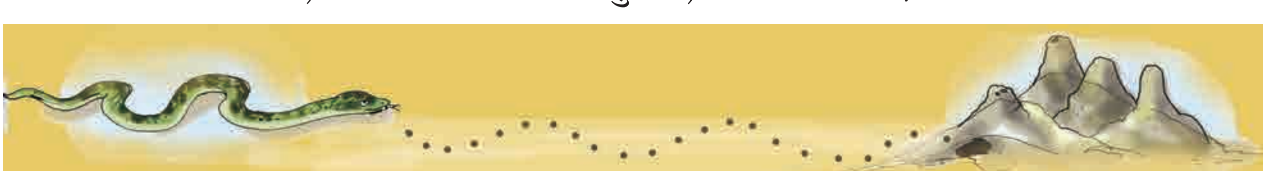

* अभ्यास-४

कृति - वर्ण अवयवों के चित्रों को देखो, समझो और इसी प्रकार अपने मन से चित्र बनाओ :

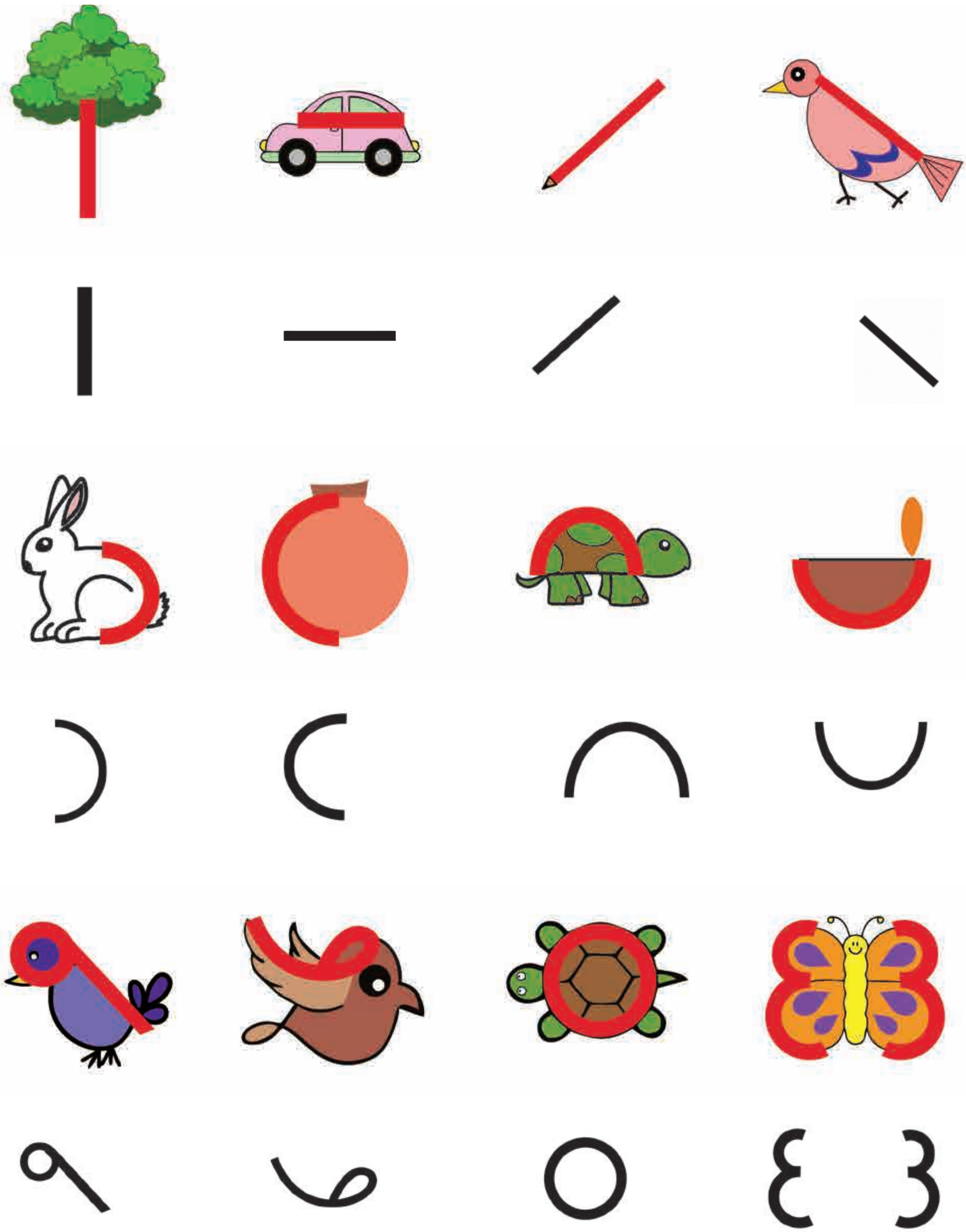

पूर्वानुभव – देखो, समझो और बताओ :

✻ अंतर खोजो

✻ नीचे दिए गए दोनों चित्रों में दस अंतर हैं । अंतर ढूँढ़कर उनपर ◯ चिह्न लगाओ :

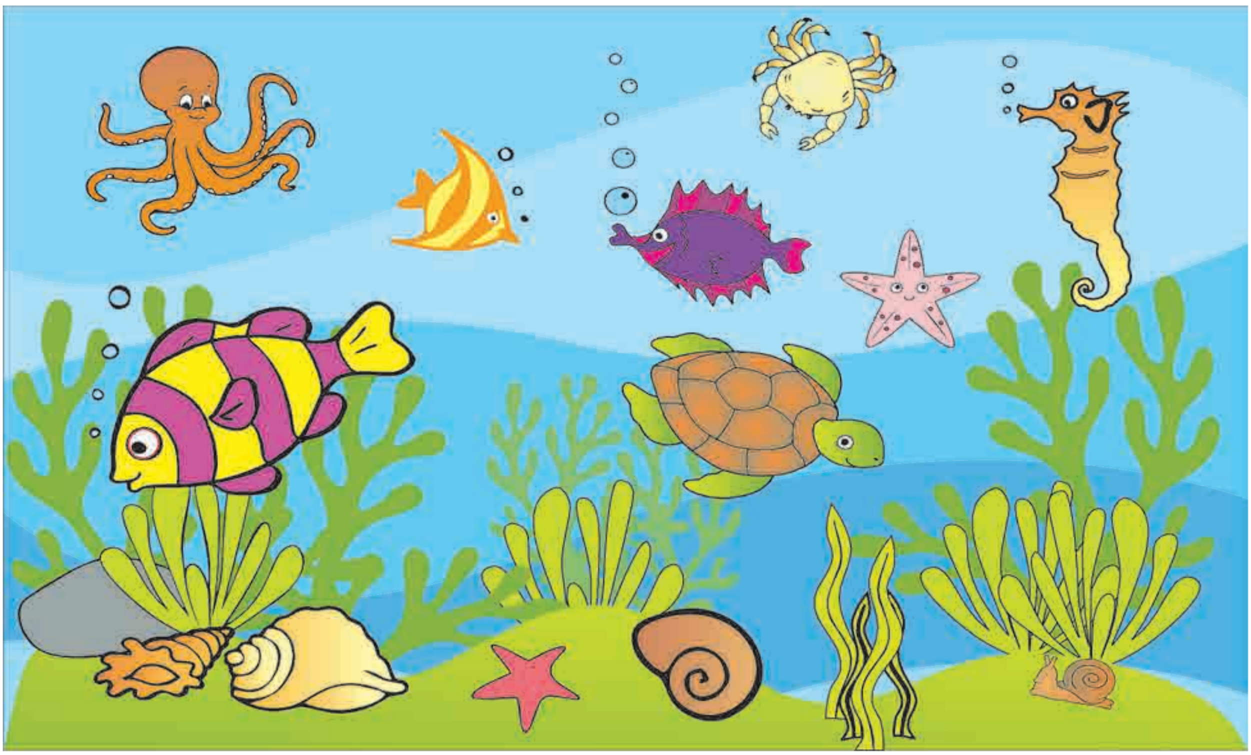

चित्रकथा – देखो, बताओ, पढ़ो और लिखो :

१. सच्चा मित्र

मिहिर और डेविड दो मित्र थे । एक दिन वे घूमने के लिए बाहर निकले ।

घूमते हुए दोनों एक जंगल में पहुँचे । उन्हें सामने से भालू आता दिखा।

भालू को देखकर डेविड अकेला ही चुपचाप पेड़ पर चढ़ गया । मिहिर भौंचक्का नीचे ही खड़ा रह गया ।

भालू को पास आता देख मिहिर साँस रोककर लेट गया । भालू उसे सूँघने लगा ।

मिहिर को मरा समझकर भालू चला गया। उसके जाते ही डेविड पेड़ से नीचे उतरा। उसने मिहिर से पूछा, ''भालू तुम्हारे कान में क्या कह गया ?''

मिहिर बोला, ''भालू कह रहा था कि संकट में साथ छोड़ देने वाले 'सच्चे मित्र' नहीं होते हैं।''

लेखन– **चित्र देखो, समझो और चार से पाँच वाक्यों में कहानी लिखकर उसे शीर्षक दो :**

शीर्षक ------------------------

2FHZQ7

गीत – पढ़ो, साभिनय गाओ और लिखो :

२. मेरी गुड़िया

– *शास्त्री धर्मपाल*

मेरी गुड़िया कुछ तो बोल,
एक बार तू मुँह को खोल । मेरी गुड़िया...

भूखी है तू कैसे जानूँ,
प्यासी है यह कैसे मानूँ ?
अब मत कर तू टालमटोल,
एक बार तू मुँह को खोल । मेरी गुड़िया ...

भूखी है तो बिस्कुट लाऊँ,
पिस्तेवाली खीर खिलाऊँ ।
बरफी की भर लाऊँ झोल,
एक बार तू मुँह को खोल । मेरी गुड़िया ...

प्यासी है तो पानी लाऊँ,
ठंडा शरबत तुझे पिलाऊँ ।
कब तक रहेगी बनी अबोल,
एक बार तू मुँह को खोल । मेरी गुड़िया ...

2FHVRU

चित्रकहानी – पढ़ो और लिखो :

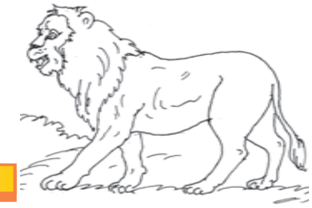

३. शेर और चूहा

एक में एक था । वहीं पास में एक रहता था । एक दिन अपनी के बाहर के नीचे सो रहा था । उसी समय अपने से निकला और की पीठ पर चढ़कर कूदने लगा । की नींद खुल गई और उसने को अपने में पकड़ लिया। बहुत घबरा गया। वह 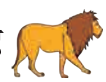 से बिनती करने लगा, "कृपया, मुझे छोड़ दीजिए। मैं किसी दिन आपके काम आऊँगा।" को पर दया आ गई । उसने को छोड़ दिया । एक दिन फिर के बाहर सो रहा था । उसी समय एक ने उसपर डाल दिया । में फँस गया । वह जोर-जोर से दहाड़ने लगा। की दहाड़ ने सुनी। वह दौड़कर के पास आया । उसने अपने तेज दाँतों से को काट दिया । से बाहर निकल गया । उस दिन से दोनों मित्र बन गए ।

लेखन–

(अ) एक या दो शब्दों में उत्तर लिखो :

(१) गुफा में कौन रहता था ? -----------
(२) चूहा शेर की पीठ पर क्या करने लगा ? -----------
(३) शेर ने चूहे को किसमें पकड़ा ? -----------
(४) शेर पर जाल किसने फेंका ? -----------

(ब) एक वाक्य में उत्तर लिखो :

(१) शिकारी ने किस पर जाल डाला ?
----

(२) चूहे ने दाँतों से क्या काटा ?

2NHMKZ

वाचन – पढ़ो और लिखो :

४. छोटा ग्राहक

रूपेश : भैया ! मेरी साइकिल पंक्चर हो गई है । इसे देखो ।
साइकिलवाला : बेटा, इसमें तो कील लगी है । पूरी ट्‌यूब फट गई है ।
रूपेश : तो क्या यह अब ठीक नहीं हो पाएगी ?
साइकिलवाला : नई ट्‌यूब डालनी पड़ेगी । पैसे अधिक लगेंगे ।
रूपेश : क्या मैं पिता जी को साथ ले आऊँ ?
साइकिलवाला : हाँ ! यह अच्छा रहेगा । (रूपेश पिता जी को लेकर आता है ।)
पिता जी : भाई, मैं यह ट्‌यूब खरीदकर लाया हूँ । यह ट्‌यूब डाल दो ।
साइकिलवाला : जी, बाबू जी ।
रूपेश : पापा, इनको पैसे मैं दूँगा ।
साइकिलवाला : **(हँसते हुए)** हाँ–हाँ मेरे ग्राहक तो तुम ही हो बेटा ।

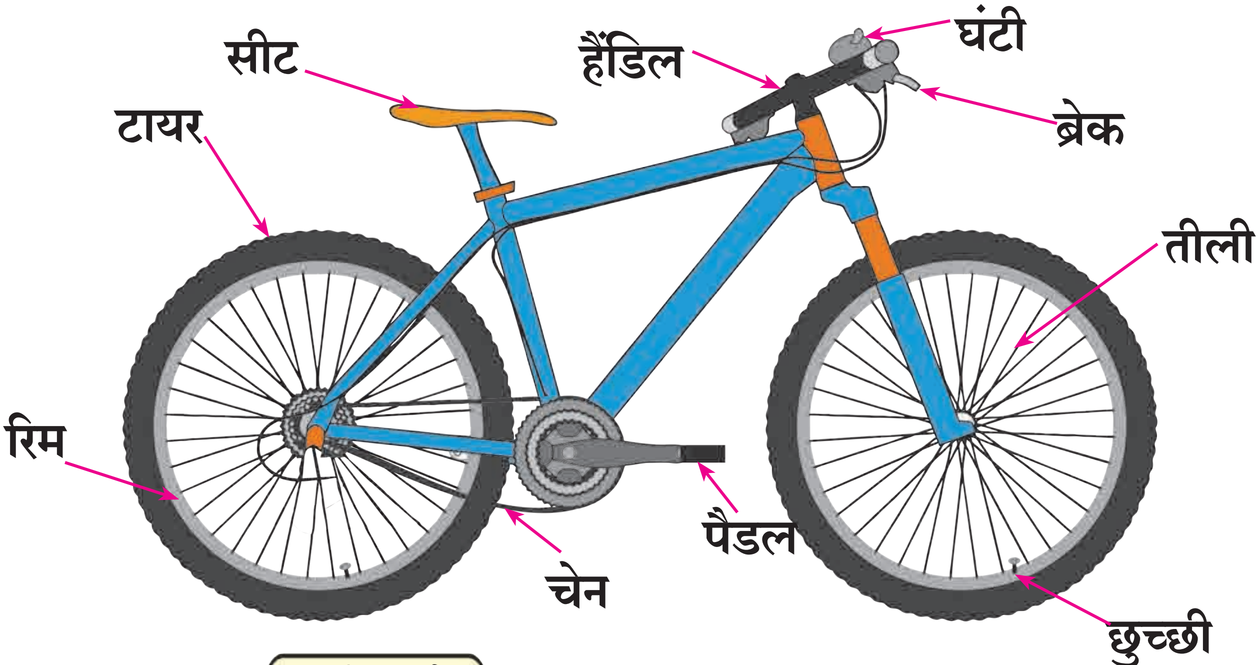

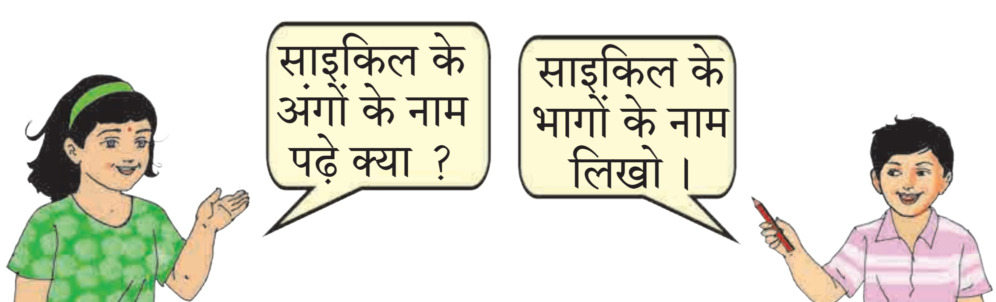

2P6IMM

वाचन – पढ़ो, समझो और बनाओ :

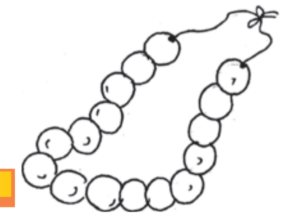

५. मिट्‌टी की माला

आओ, बड़ों की सहायता से मिट्‌टी की गोलियों की माला बनाओ ।

सामग्री :– गीली मिट्‌टी, पानी, विविध रंग, ब्रश, धागा, सींक ।

कृतिः–

(१) मिट्‌टी लो ।
(२) उसमें में थोड़ा पानी डालकर उसे गूँथो ।
(३) उसका गोला बनाओ ।
(४) गूँथे हुए गोले की मिट्‌टी से छोटी–छोटी तथा गोल आकार की गोलियाँ बनाओ ।
(५) प्रत्येक गोली के बीच में सींक की सहायता से आर–पार छेद करो ।
(६) सभी गोलियों को सुखाकर अलग–अलग रंगों से रँगो ।
(७) रंगीन गोलियों को धागों में पिरोकर मालाएँ बनाओ ।
(८) अब उन मालाओं की प्रदर्शनी लगाओ ।

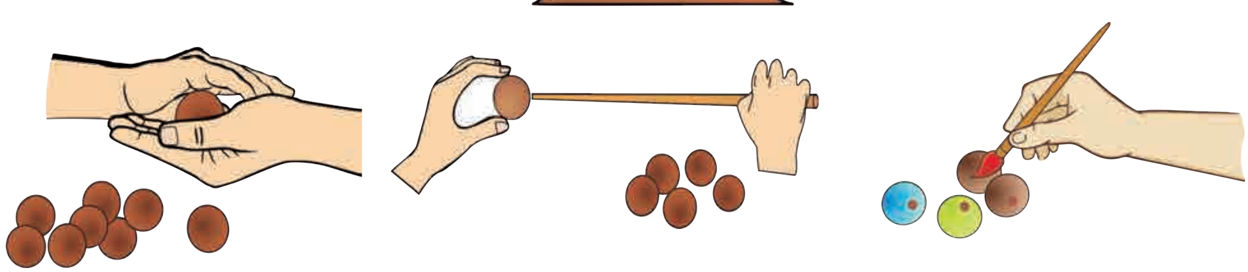

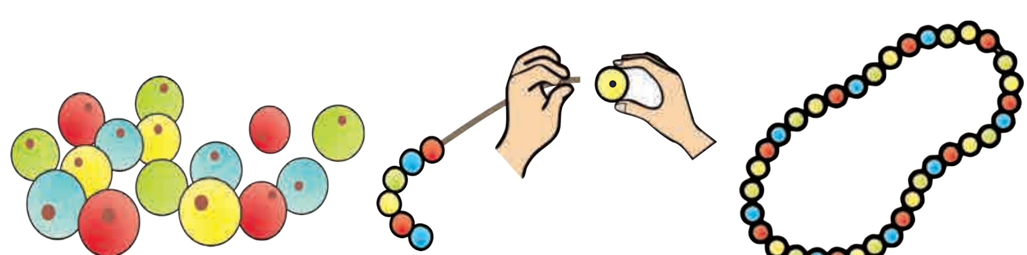

2PFEPA

आकलन – पढ़ो, पहचानो और बताओ :

६. मैं हूँ कौन ?

दो पहियों पर चलकर मैं,
खेतों–खलिहानों में जाती ।
चरर–मरर करती मैं चलती,
हूँ किसान की सेवा करती ।
मुझको दुनिया क्या कहती ?

लाल, नीले, पीले रंग की,
आसमान में उड़ती मैं ।
जब तक डोरी तेरे हाथ है,
तब तक वश में रहती मैं ।
मुझको दुनिया क्या कहती ?

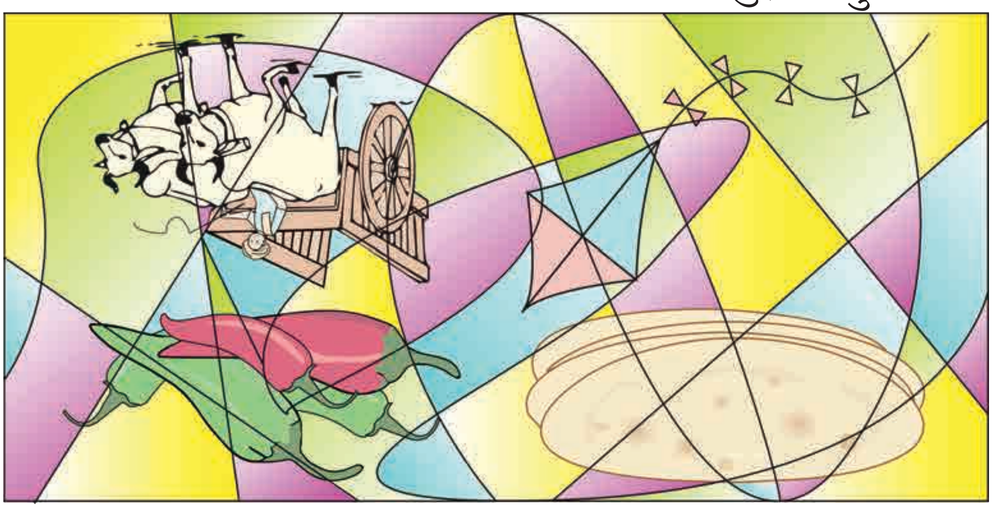

कच्ची हूँ तो हरी दीखती,
पकने पर हो जाती लाल ।
स्वाद मेरा होता है तीखा,
जो खाए हो जाए बेहाल,
मुझको दुनिया क्या कहती ?

दीखती हूँ मैं गोल–गोल
सबके घर में बनती हूँ ।
सभी मुझे हैं चाव से खाते
सबकी भूख मिटाती हूँ ।
मुझको दुनिया क्या कहती ?

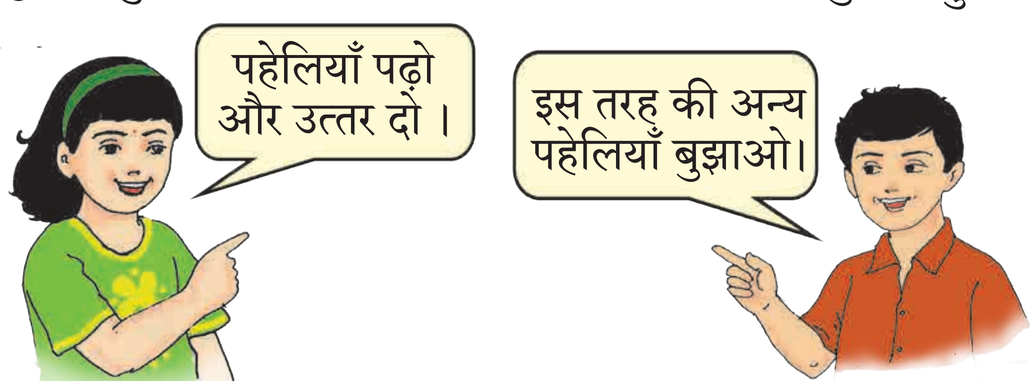

2PPAQX

वाचन - पढ़ो, समझो और बताओ :

७. सुखी परिवार

एक बाग में आम और महुआ के पेड़ पास-पास थे । आम के पेड़ पर मिनी चिड़िया का घोंसला था । उस घोंसले में दो बच्चे थे । मिनी चिड़िया बाहर से भोजन लेकर आती और अपने दोनों बच्चों को खिलाती थी । दोनों बच्चे चूँ-चूँ करके बड़े प्रेम से खाते और घोंसले में आराम से खेलते-सोते थे । वे सब बहुत सुखी थे ।

महुआ के पेड़ पर चिनी चिड़िया का घोंसला था । उस घोंसले में चिनी के चार बच्चे थे। चिनी जब चारा लेकर आती तो चारों बच्चे चूँ-चूँ, चीं-चीं करके शोर मचाते । चिनी चिड़िया सबकी चोंच में भोजन डालती पर चारों के पेट नहीं भरते थे । दिन भर वे चारों आपस में लड़ते-झगड़ते रहते थे । चिनी चिड़िया का परिवार बहुत दुखी रहता था ।

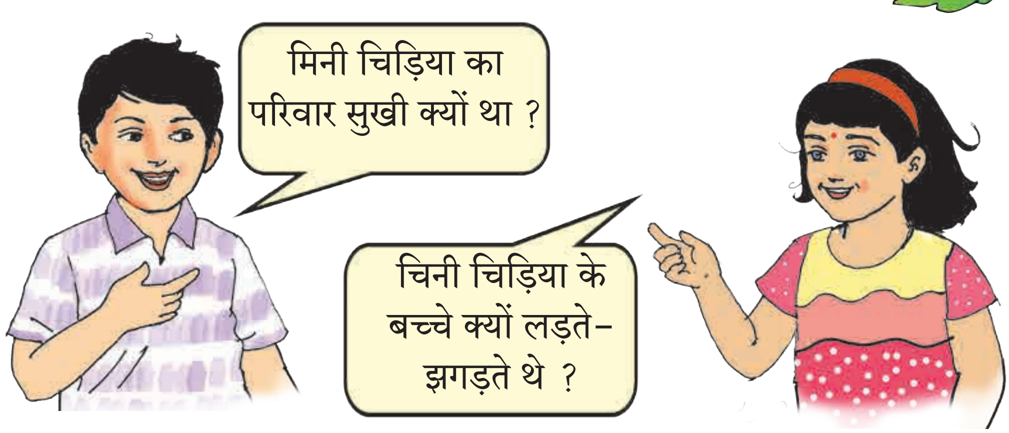

2PY6SK

वाचन – पढ़ो, समझो और लिखो :

८. वाचन कुटी

एक दिन रमा की पाठशाला के परिसर में लकड़ी का काम चल रहा था । रमा ने कारीगरों के काम को देखकर अपने गुरु जी से पूछा, ‘‘गुरु जी, यहाँ क्या काम चल रहा है ?’’ गुरु जी बोले, ‘‘रमा, यहाँ वाचन कुटी तैयार करने का काम चल रहा है ।’’

रमा बोली, ‘‘गुरु जी वाचन कुटी क्या होती है ?’’ गुरु जी बोले ‘‘पुराने समय में गुरुकुल आश्रम होते थे । बच्चे गुरु के आश्रम में रहकर शिक्षा ग्रहण करते थे । उनके आश्रम में अध्ययन के लिए ऐसी कुटी होती थी जिसमें अध्ययन सामग्री का भंडार होता था ।’’ रमा बोली, ‘‘गुरु जी हमारी पाठशाला के ग्रंथालय की तरह ?’’ गुरु जी बोले, ‘‘हाँ, रमा तुम ने ठीक कहा लेकिन ग्रंथालय में हम चार दीवारों के बीच वाचन करते हैं । वाचन कुटी में हम खुले वातावरण में शांत तथा एकाग्र होकर वाचन करेंगे ।’’

रमा बोली, ‘‘गुरु जी पाठशाला में वाचन कुटी बनने पर हम भी वाचन करेंगे । हमें बड़ा आनंद आएगा ।’’ गुरु जी बोले, ‘‘शाबाश रमा ! मुझे तुमसे यही आशा है । तुम्हारे विचार बहुत उत्तम हैं ।’’

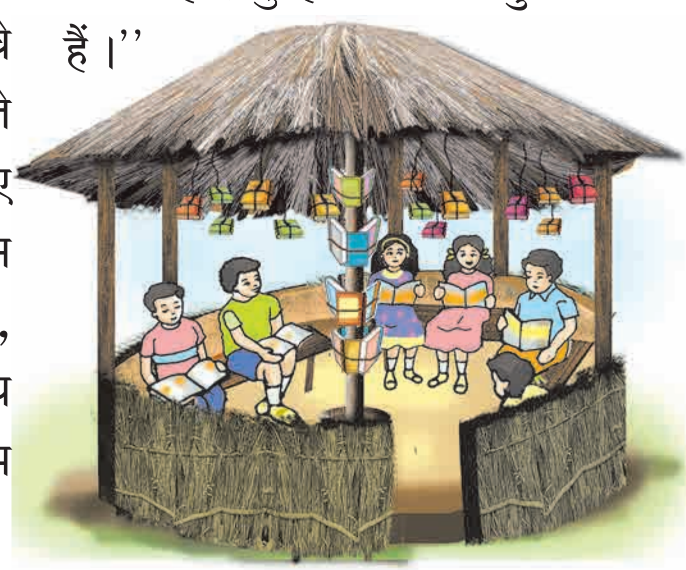

2Q82U8

गीत – पढ़ो और गाओ :

९. ध्वजगीत

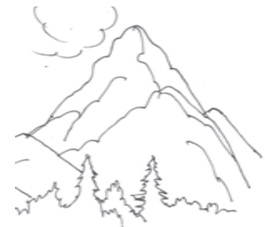

– सोहनलाल द्‌विवेदी

हम नन्हे–नन्हे बच्चे हैं,
नादान उमर के कच्चे हैं,
पर, अपनी धुन के पक्के हैं,
आजादी पर इठलाएँगे ।
भारत का ध्वज फहराएँगे ।।

अपना पथ कभी न छोड़ेंगे,
अपना प्रण कभी न तोड़ेंगे,
हिम्मत से नाता जोड़ेंगे,
हम हिमगिरि पर चढ़ जाएँगे ।
भारत का ध्वज फहराएँगे ।।

हम भय से कभी न डोलेंगे,
अपनी ताकत को तोलेंगे,
माता की जय–जय बोलेंगे,
अपना सिर भेंट चढ़ाएँगे,
भारत का ध्वज फहराएँगे ।।

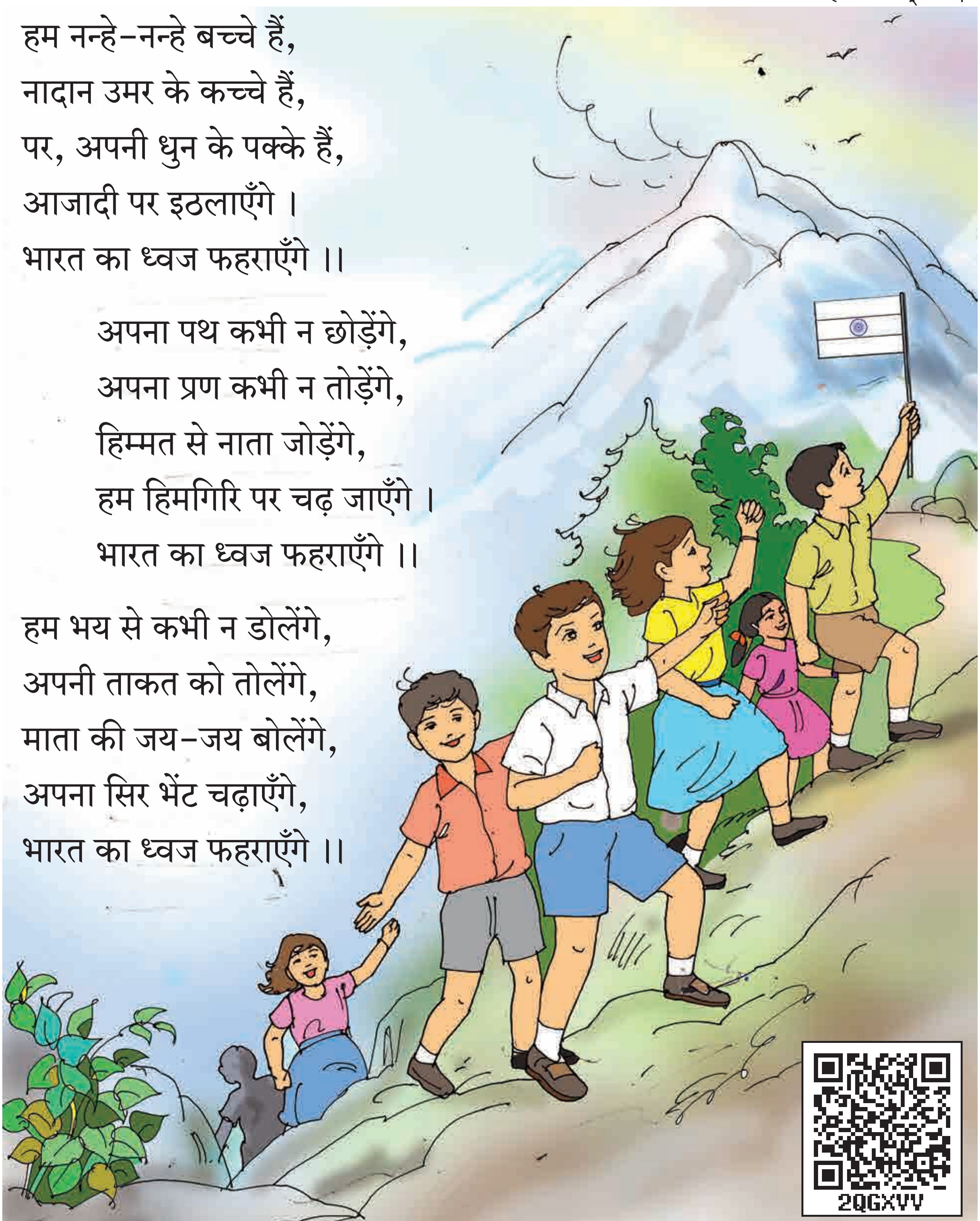

2QGXVV

✻ पुनरावर्तन–२

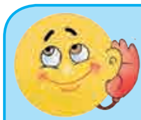

सुनो और दोहराओ :

(१) पुस्तक		पुस्तकें	
(२) तारा		तारे	
(३) तितली		तितलियाँ	
(४) माला		मालाएँ	

बताओ :

(१) सामने आकर अपना परिचय दो ।
(२) रोटी बनाने की विधि क्रम से अभिनय के साथ बताओ ।
(३) दूरदर्शन पर विज्ञापन सुनो और हाव-भाव से सुनाओ ।
(४) कोई वस्तु देखकर उसके विषय में तीन वाक्य बोलो ।

वाक्य पढ़ो तथा गलत शब्द को काटो :

(१) घोड़ा घास खा / पी रहा है ।
(२) बिल्ली दूध / दही पी रही है ।
(३) हम पुस्तक पढ़ / लिख रहे हैं ।
(४) मेरा / मेरी नाम अजय है ।
(५) पायल गाँव जा रहा/रही है ।
(६) हर्ष कबड्डी खेलता/खेलती है ।

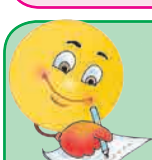

चित्र देखकर वाक्य पूर्ण करो :

(१) यह .... है ।
(२) इसका रंग .... तथा .... है ।
(३) इसका आकार .... है ।
(४) यह .... के काम आती है ।
(५) यह मुझे बहुत ....लगती है ।

मधुमक्खी, अपने छत्ते तक कैसे पहुँचेगी, उसे उँगली से दिखाओ :

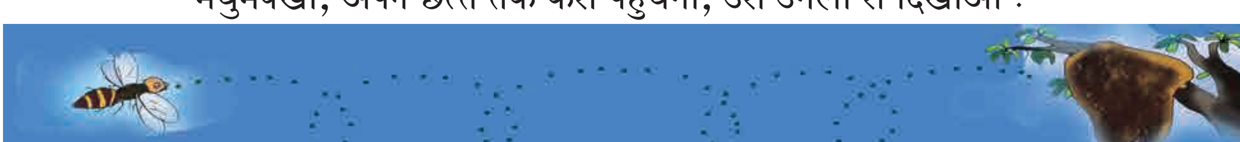

चित्र का निरीक्षण करके कहानी कहो और प्रश्नों के उत्तर लिखो :

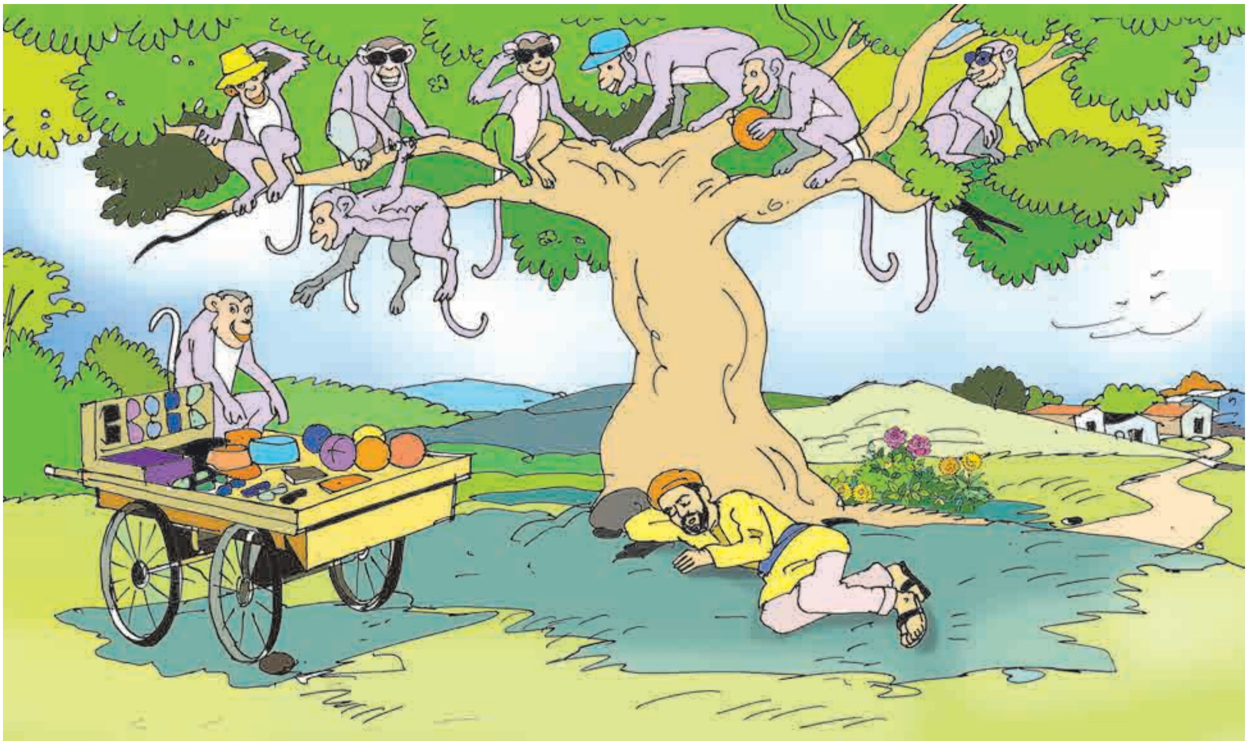

लिखो :

(१) कितने बंदरों ने चश्मा पहना है ?

----

(२) बंदरों ने सिर पर क्या पहनी है ?

----

(३) कितने बंदरों के हाथ में गेंद है ?

----

(४) फूल कहाँ हैं ?

देखो और समझो :

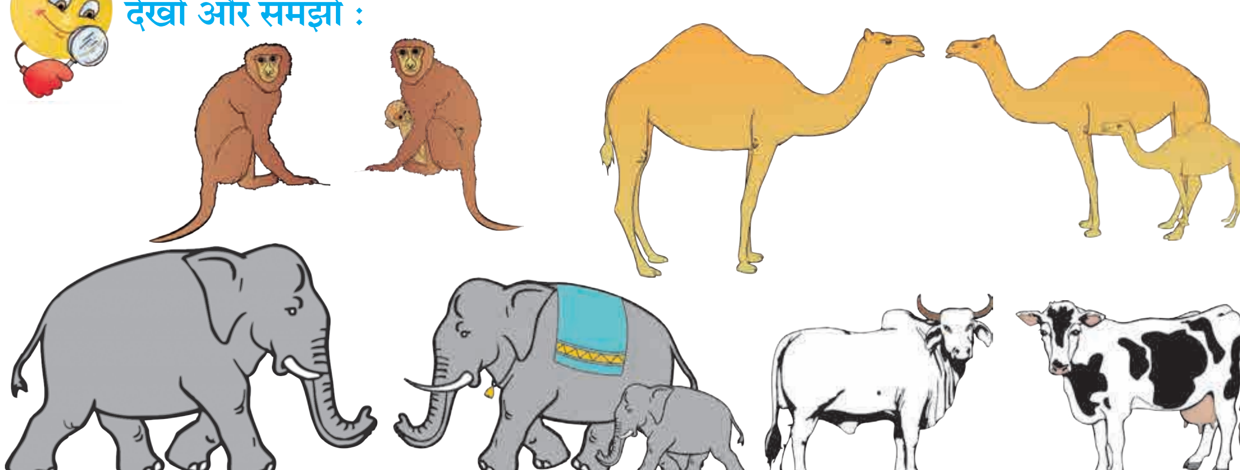

वाचन – पढ़ो, समझो और बोलो :

वर्णमाला

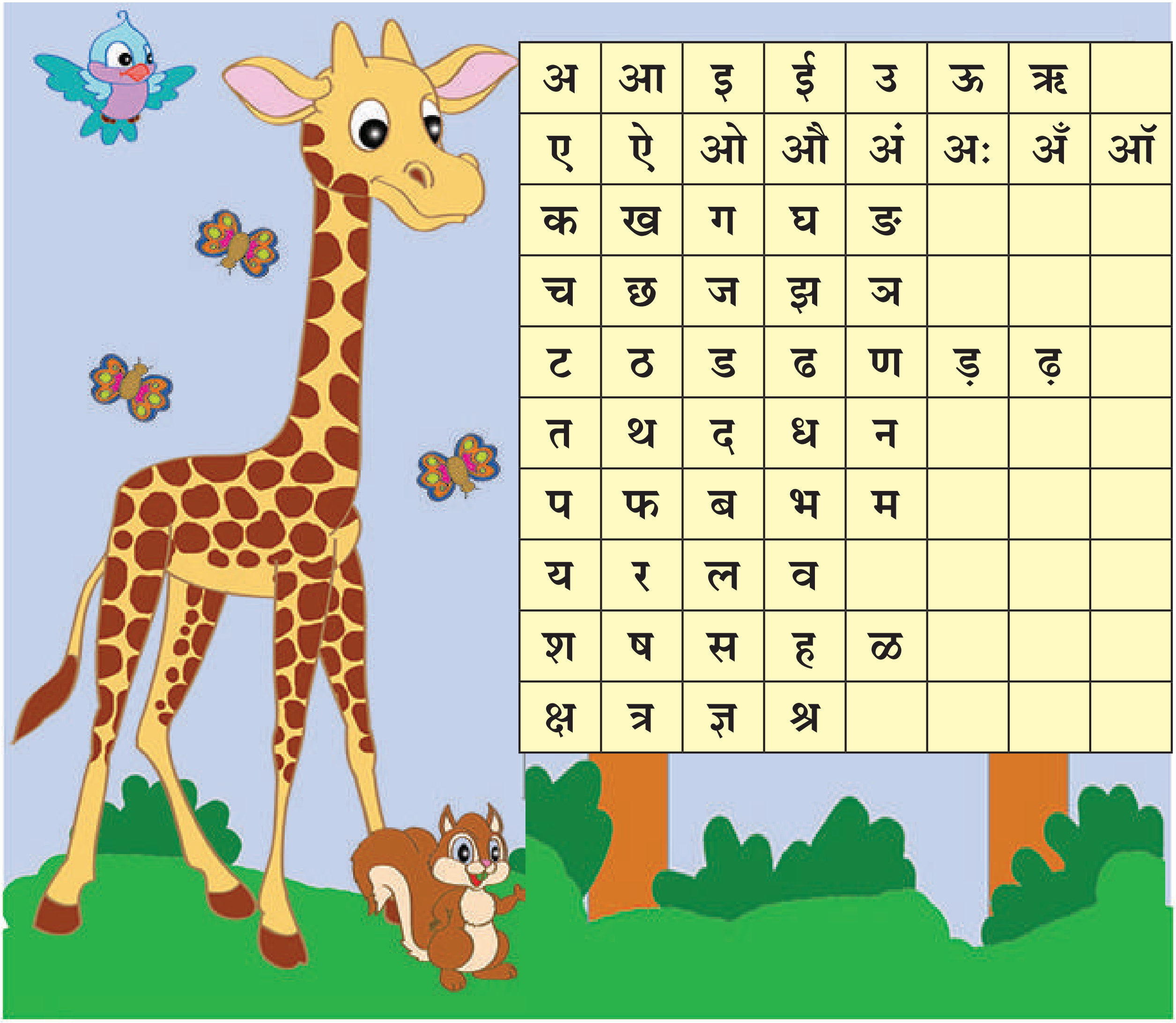

अ	आ	इ	ई	उ	ऊ	ऋ	
ए	ऐ	ओ	औ	अं	अः	अँ	ऑ
क	ख	ग	घ	ङ			
च	छ	ज	झ	ञ			
ट	ठ	ड	ढ	ण	ड़	ढ़	
त	थ	द	ध	न			
प	फ	ब	भ	म			
य	र	ल	व				
श	ष	स	ह	ळ			
क्ष	त्र	ज्ञ	श्र				

लेखन – पंद्रहखड़ी पूरी करो :

क	का	कि	की	कु	कू	कृ	के	कै	को	कौ	कं	कः	कँ	कॉ
ज														
ट														
थ														
ब														

महाराष्ट्र राज्य पाठ्यपुस्तक निर्मिति तथा अभ्यासक्रम संशोधन मंडल, पुणे.

बालभारती इयत्ता पहिली (हिंदी)

₹ 42.00